दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 242 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 14 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

न्यूज इनबॉक्स

कांग्रेस को झटकाः जोगिंदर अवाना ने 'हाथ' का छोड़ा साथ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है और राजस्थान कांग्रेस को लगातर झटके लग रहे है। चार साल पहले बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले नेता जोगिंदर अवाना ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। वही अब राजसमंद के नाथद्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मी नारायण गुर्जर ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। वर्तमान डेयरी चेयरमैन लक्ष्मी नारायण गुर्जर के भाजपा में शामिल होने की अटकलें शहर में पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई थी। सूत्रों के अनुसार उन्होंने तीन-चार दिन पहले ही भाजपा का दामन थाम लिया था। हालांकि, आने वाले दिनों में वे औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। हाल ही में उदयपुर में विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ से लक्ष्मी नारायण गुर्जर ने मुलाकात की थी। साथ ही नाथद्वारा के पास निर्मित डेयरी प्लांट का अवलोकन करने का आमंत्रण भी दिया था। इसके बाद विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ शुक्रवार को अवलोकन करने भी आए। यहां उन्होंने लक्ष्मी नारायण को बीजेपी का उपरणा ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। भाजपा में शामिल होने पर लक्ष्मी नारायण गुर्जर ने कहा कि हर तरफ सनातन की लहर है और अब मुझे भगवान श्री राम की सेवा करने का अवसर मिल रहा है।

राष्ट्रपति ने दी अंबेडकर जयंती की बधाई, कहा- उनका योगदान युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दे रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में बाबा साहेब का योगदान युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दे रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहेब ने चुनौतियों का सामना करने के बाद भी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपनी असाधारण उपलब्धियों से दुनिया में सम्मान पाया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि डॉ. भीमराव शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और दलितों के सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साधन मानते थे। विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान से भावी पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण में काम करने की प्रेरणा मिलती रहेगी। इस दौरान राष्ट्रपति ने लोगों से अपील की कि वह अपने जीवन में डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को अपनाने और ऐसे राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने का संकल्प लें, जो सामाजिक सद्भाव और समानता की भावना को मूर्त रूप दे।

राजस्थान का एक ही लाल, भजनलाल, भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दिखी दीवानगी, स्टेडियम में गूंजे जयकारे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्वागत में रविवार को शहर के मुख्य स्टेडियम में ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि माहौल भावनाओं से भर गया। हजारों की तादाद में लोग तिरंगा और पोस्टर थामे स्टेडियम पहुंचे और मुख्यमंत्री के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। जैसे ही भजनलाल शर्मा मंच पर पहुंचे, पूरा स्टेडियम जयघोष से गूंज उठा! "राजस्थान का एक ही लाल, भजन लाल, भजन लाल। इस ऐतिहासिक जनसभा में लोगों की सबसे बड़ी खुशी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिलने की थी। लोग हाथ जोड़कर, फूल बरसाकर और बैनर लहराकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते नजर आए। कई किसानों ने कहा कि यह फैसला उनके जीवन की दिशा बदल देगा। "अब हमारे खेतों को पानी मिलेगा, हमारे गांवों में समृद्धि आएगी," एक बुजुर्ग किसान ने कहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंच से अपने संबोधन में जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आपका प्रेम है, आपकी आस्था है जो मुझे निरंतर प्रेरित करती है। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना बनाना कोई व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि राजस्थान के हर किसान, हर गांव और हर परिवार की जीत है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार प्रकट किया और कहा कि राजस्थान के विकास की रफ्तार अब और तेज होगी। कार्यक्रम में महिलाएं, युवा, व्यापारी और किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए। कई जगहों से लोगों ने अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ मुख्यमंत्री के समर्थन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पूरे आयोजन में एक ही नारा सबसे ज्यादा गूंजता रहा। राजस्थान का एक ही लाल, भजन लाल, भजन लाल। इस जनसभा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेशवासियों के दिलों में गहराई से बसे हैं। ईआरसीपी को लेकर उनके प्रयासों को जनता ने सर आंखों पर लिया है। यह सभा न केवल एक राजनीतिक आयोजन थी, बल्कि जनता और उनके नेता के बीच अटूट विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय रखेगा 25 फ्लैगशिप योजनाओं पर सीधी नजर

जयपुर टाइम्स

सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य की 25 प्रमुख योजनाओं को फ्लैगशिप प्रोग्राम घोषित किया गया है, जिनकी सीधी निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से की जाएगी। इन योजनाओं के तहत होने वाले कार्यों, खर्चों और प्रगति की मासिक रिपोर्ट हर महीने सीएमओ को अनिवार्य रूप से भेजनी होगी।

हर महीने योजनाओं की देनी होगी प्रगति रिपोर्ट

सरकार का लक्ष्य इन महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर कड़ी नजर रखना। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि इनका लाभ आम जनता तक सही समय पर पहुंचे। इस नई व्यवस्था के तहत, हर महीने की 7 तारीख तक सभी संबंधित विभागों को अपनी-अपनी फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट सीएमओ को सौंपनी होगी। इतना ही नहीं, आयोजना विभाग भी इन 25 योजनाओं पर विशेष रूप से निगरानी रखेगा। जमीनी स्तर पर योजनाओं की

प्रगति का जायजा लेने के लिए सभी जिलों में प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव नियमित रूप से बैठकें करेंगे। किसी योजना को सरकार की फ्लैगशिप योजना में शामिल करने का मतलब है कि उस योजना को विशेष प्राथमिकता और महत्व दिया जा रहा है। इन योजनाओं की सीधी निगरानी से सरकार को इनकी धीमी प्रगति या कमियों का तुरंत पता चल सकेगा, जिससे समय रहते सुधार कार्य किए जा सकेंगे। सरकार की मंशा यह है कि इन योजनाओं के माध्यम से सीधे आम लोगों को फायदा मिले और सरकारी नीतियों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और भी अधिक प्रभावी और पारदर्शी हो सके। इस कड़ी निगरानी से योजनाओं की प्रगति में तेजी आएगी और लक्षित लाभार्थियों तक उनका लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।

25 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों का जल्द प्रमोशन करेगी भजनलाल सरकारः दिलावर

जयपुर टाइम्स

जयपुर/नागौर(कासं.)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को डीडवाना दौरे पर रहे। इस दौरान स्कूल से गायब रहने वाले शिक्षकों के प्रति उनके कड़े तेवर दिखाई दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्कूल समय का पूरा उपयोग केवल शैक्षिक कार्य में होना चाहिए। सभी शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि स्कूल समय में कोई भी शिक्षक ना तो किसी मंदिर जाएगा, ना ही कोई शिक्षक नमाज पढ़ने जाएगा। अगर निर्देश का पालन नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों का शैक्षिक वातावरण बेहतर हो, इसके लिए योग्य व संस्कारित शिक्षको की नियुक्तियां की गई हैं।

शिक्षकों के प्रमोशन के लिए मांगी अनुमति

शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जल्द ही 25000 तृतीय श्रेणी शिक्षकों (थर्ड ग्रेड टीचर) का द्वितीय श्रेणी में प्रमोशन करने वाली है। इसके लिए हमने न्यायालय से भी निवेदन किया है। न्यायालय से अनुमति मिलते ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों का प्रमोशन तत्काल कर दिया जाएगा। इतिहास का जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे महापुरुषों और क्रांतिकारियों का इतिहास वीरता से भरा और गौरवशाली रहा है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया। गलत पुस्तकों के माध्यम से हम पर गलत इतिहास का बोझ डाला था, लेकिन अब इतिहास का पुनर्लेखन किया जा रहा है. नई किताबें आएंगी तो बच्चों को हमारे पूर्वजों का वास्तविक इतिहास पता चलेगा।

स्कूलों का शैक्षिक स्तर सुधारने का प्रयास

मदन दिलावर ने ललासरी गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय और का दौरा किया। साथ ही धनकोली के शहीद जीवनराम खसवां विद्यालय में भामाशाह अभिनंदन और गुरु वंदन व पूर्व विद्यार्थी संगम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने स्कूल निरीक्षण के दौरान कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों का शैक्षिक स्तर सुधारा जाए और विद्यार्थियों के लिए सभी संसाधन उपलब्ध हो। इसके लिए हमारी सरकार भामाशाहों को भी प्रोत्साहित कर रही है। विद्यालय विकास के लिए डेढ़ करोड़ रुपए का सहयोग देने वाले भामाशाह सांवर हर्षवाल का अभिनन्दन करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि सांवर हर्षवाल जैसे भामाशाह समाज में मौजूद है, जो अपने गांव और अपने स्कूल के विकास में सरकार को सहयोग देते हैं।

कार-ट्रेलर की टक्कर में बैंक मैनेजर-इंजीनियर समेत 5 की मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर के जमवारामगढ़ में रविवार सुबह ट्रेलर-कार की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर, उसकी बैंक मैनेजर पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के है। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेलर रोड से नीचे उतरकर पलट गया। कार से शवों को निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब 8 बजे मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ है। लखनऊ के रहने वाले सत्य प्रकाश (60), उनकी पत्नी रामा देवी (55), बेटा अभिषेक (35), बहू प्रियांशी (30) और 6 महीने की पोती वर्ना कार से खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। इसी दौरान नेकावाला टोल के पास कार और ट्रेलर की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में पूरा परिवार खत्म हो गया।

कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर

कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। पांचों कार में बुरी तरह फंस गए थे। हादसे की सूचना पर रायसर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को आशंका है कि ओवरटेक करने के चक्कर में हादसा हुआ है। बता दें कि प्रियांशी बैंक ऑफ बड़ौदा की गोमतीनगर ब्रांच में मैनेजर थी। सत्य प्रकाश मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। बच्ची का नामकरण नहीं हुआ था, हालांकि घर के लोग उसे श्री कहकर बुलाते थे। हाल ही में बच्ची का मंथली बर्थडे मनाया गया था।

लखनऊ से मैनपुरी गया था परिवार

चचेरे भाई आदित्य प्रकाश सिंह ने बताया कि सभी लोग कार से 12 अप्रैल की शाम 5 बजे मैनपुरी के लिए निकले थे। वहां चाचा की बेटी की शादी थी। बहन के बेटे का जन्मदिन था। सभी लोग रातभर रुके थे और बर्थडे सेलिब्रेट किया। सुबह खाटू श्याम के लिए निकले थे। खाटू श्याम से 70 किमी पहले कार सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। सुबह वहां से फोन आया, तब जाकर हमें हादसे की जानकारी मिली।

3 साल पहले हुई थी इंजीनियर की शादी

अभिषेक और प्रियांशी की शादी 29 नवंबर 2022 को हुई थी। हादसे के वक्त अभिषेक सिंह गाड़ी चला रहे थे। अभिषेक का बड़ा भाई हिमांशु प्राइवेट जॉब करता है। उसकी पत्नी ज्योति और बेटा जियांशु है।

मुर्शिदाबाद हिंसाः कांग्रेस ने की सर्वदलीय बैठक की मांग

कोलकाता(एजेंसी)।। कांग्रेस सांसद ईशा खान चौधरी ने बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद जिले में शांति बहाली को सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हिंसा के मूल कारणों से निपटने और क्षेत्र में शांति बहाली के लिए सभी दलों और समुदाय के नेताओं को एक साथ लाना महत्वपूर्ण है। तृणमूल कांग्रेस

को इस बाबत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं हिंसाग्रस्त शमशेरगंज जाना चाहता था लेकिन पुलिस ने मुझे नहीं जाने सलाह देते हुए कहा कि मेरे जाने से वहां लोगों की भीड़ जमा हो सकती है, जो इस समय उचित नहीं होगा इसलिए मैंने नहीं जाने का निर्णय लिया। मालूम हो कि चौधरी मालदा दक्षिण लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके अंतर्गत शमशेरगंज विधानसभा क्षेत्र शामिल है, जो सबसे प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इस बीच भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि हिंसा के कारण 400 से अधिक हिंदू मुर्शिदाबाद के धुलियान से पलायन कर मालदा जिले के वैष्णवनगर के एक स्कूल में शरण लेने को मजबूर हुए हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक चुनौती मामले में खुद को पक्षकार बनाने के लिए भजनलाल सरकार ने लगाई याचिका

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। देशभर में वक्फ (संसोधन) कानून को लेकर बवाल जारी है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में इस

कानून को लेकर भड़की हिंसा में 3 लोगों की मौत हो गई। उधर 16 अप्रैल को वक्फ (संसोधन) एक्ट की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी है। इससे पहले राजस्थान की भजनलाल सरकार ने वक्फ (संसोधन) कानून को लेकर बड़ा कदम उठाया है। राजस्थान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दाखिल करके खुद को इन याचिकाओं में पक्षकार बनाने की अनुमति की मांग की है। राज्य सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा के माध्यम से सुप्रीमकोर्ट में हस्तक्षेप आवदेन दायर किया गया है। उन्होंने सरकार की कानूनी सलाह लेकर विस्तार से हस्तक्षेप का प्रारूप तैयार किया और दाखिल किया। सरकार का कहना है कि वह वक्फ संपत्तियों के प्रशासन की प्रमुख कार्यकारी इकाई है और इस अधिनियम में किए गए सुधार पारदर्शिता, जवाबदेही और भूमि विवादों की रोकथाम के उद्देश्य से किए गए हैं। सरकार ने विशेष रूप से यह भी कहा है कि अधिनियम के जरिए किसी भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने से पहले 90 दिन का सार्वजनिक नोटिस और आपत्ति की प्रक्रिया अनिवार्य की गई है, जिससे आमजन के अधिकार सुरक्षित रह सकें। राजस्थान सरकार ने यह तर्क भी दिया कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता या समानता के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता, जैसा कि कुछ याचिकाओं जिनमें असदुद्दीन ओवैसी की ओर से दायर याचिका भी शामिल है, में दावा किया गया है। बल्कि यह एक पारदर्शी, संविधानसम्मत और संतुलित विधायी प्रयास है जिसे संयुक्त संसदीय समिति ने 284 से अधिक हितधारकों की राय के बाद पारित किया। राजस्थान सरकार ने यह भी अनुरोध किया है कि उसे विस्तृत हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी जाए, ताकि वह न्यायालय को तुलनात्मक कानूनी दृष्टिकोण, आंकड़ों और प्रशासनिक अनुभवों के आधार पर मदद कर सके।

संगठन को मजबूती देने की कांग्रेस की कोशिश नही हो रही सफल

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। अहमदाबाद अधिवेशन में जिस तरह से कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने धरातल पर संगठन को मजबूत करने और जिलाध्यक्षों को ताकत देने की रणनीति बनाई है, उसने कार्यकर्ताओं को ऊर्जीकृत किया है। मगर, परिस्थितियां सफलता को लेकर उन्हें पूरी तरह आश्वस्त नहीं होने दे रहीं। दशकों से कांग्रेस की धूप-छांव देख रहे पुराने नेताओं के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि अपने पुराने सवर्ण वोटबैंक की चिंता पार्टी को क्यों नहीं है? साथ ही जिस पिछड़े वर्ग पर राहुल गांधी ने खास जोर दिया है, उस वर्ग का कोई प्रमुख नेता ही उत्तर प्रदेश में पार्टी के पास नहीं है तो कैसे इस वर्ग को रिझाएंगे।

पिछड़ों की खुलकर राजनीति करेगी कांग्रेस

जिस पिछड़ा वर्ग के लिए कांग्रेस अब जोर लगाने की तैयारी कर रही है उसी पिछड़ा वोटबैंक से भाजपा मजबूत हुई है। अब अहमदाबाद अधिवेशन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिना किसी क्षेत्रीय दल का नाम लिए संदेश दिया कि भाजपा से कांग्रेस ही लड़ सकती है। फिर पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए खुलकर राजनीति करने की रणनीति भी समझा दी। चूंकि, पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सवर्णों की बात नहीं करना चाहता तो यह नेता अपने वर्गों के वोट को आकर्षित भी नहीं कर सकते। इसी तरह पार्टी का पिछड़ों पर जोर तो है, लेकिन वर्तमान में इस वर्ग से पार्टी के पास प्रदेश स्तर का एक भी प्रमुख नेता नहीं है, जिसे चेहरा बनाया जा सके। अब बचता है दलित और अल्पसंख्यक। यह दोनों कांग्रेस के पुराने वोटबैंक रहे हैं। लेकिन इसमें सहयोगी दलों ने पैठ बना ली है और इसके लिए कांग्रेस की जद्दोजहद पार्टी को कितना फायदा पहुंचाएगी यह तो बाद की बात है लेकिन गठबंधन में ही कलह जरूर बढ़ाएगी। दरअसल, सपा नहीं चाहती कि कांग्रेस उसकी जमीन पर खड़ी हो। कांग्रेस क्या करेगी? इस प्रश्न पर एक प्रदेश पदाधिकारी कहते हैं कि पंचायत चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी और खामोशी से इन वर्गों में अपना आधार बनाने का प्रयास करेगी।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
14 अप्रैल, 2025

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अभिनव पहल सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा

केंद्रीय पर्यवरण मंत्री ने विभिन्न विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निसं.)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र में अभिनव नवाचार 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा' का शुभारम्भ हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अलवर की ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा से किया गया। इसी क्रम में दुसरे दिन रविवार को ग्राम पंचायत दोंगड़ा में उसके कलस्टर कि ग्राम पंचायत बाघोड़ा, मूसाखेड़ा ब्रसंगपुर व चोरबसई तथा पंचायत नांगल सालिया में उसके कलस्टर के ग्राम पंचायत तिंगावा, झड़का, बघेरी खुर्द व तिजारा की ग्राम पंचायत ईशरोदा में उसके कलस्टर के ग्राम पंचायत बिछाला, लुहादेरा, मुँड़ाना इस प्रकार ग्राम पंचायत कमालपुर में उसके कलस्टर कि ग्राम पंचायत मसीत, मिठियावास, नाखनौल में सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा आयोजित हुई।

ई- गुरुकुल के तहत स्थानीय छात्रों को ग्राम पंचायत पर डिजिटल लाईब्रेरी की सुविधा

उन्होंने कहा की युवाओं को डिजिटल शिक्षा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के उदेश्य से अलवर संसदीय क्षेत्र की हर ग्राम पंचायत में ई लाइब्रेरी खुलवाने का उनका प्रयास है। इस पर तेजी काम प्रगति पर है जिसके तहत अभी तक 28 लाईब्रेरी का भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 20 लाइब्रेरी का कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की अटल टिंकरिंग लैब योजना के माध्यम से जिलें के विद्यार्थीयों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा तिजारा विधायक महंत बालक नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा के माध्यम से अभिनव पहल की है इससे आमजन की समस्या का मौके पर ही निदान होने के साथ क्षेत्र के विकास का खाका भी तैयार होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेल व शिक्षा में समान अवसर देने के लिए अलवर सांसद खेल उत्सव व ई-लाईब्रेरी जैसे अभिनव नवाचार किये जा रहे है। पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कहा कि सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का मौके पर लाभ मिलेंगा तथा ग्रामीणों की समस्याओं का निदान होगा।

गांव में जाकर समस्या के समाधान के साथ विकास पर होगा काम

केन्द्रीय मंत्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद के रूप में अपने संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक गांव पर पहुंच कर आमजन से रूबरू होकर न केवल उनकी समस्याओं निदान करना बल्कि विकास कार्यो को गति प्रदान करने का उदेश्य से सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर के व्यक्ति को मिले इसके लिए इस कार्यक्रम में उनकी जानकारी के साथ साथ उन योजनाओं में पंजीयन सुविधा प्रदान की जाएगी। पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव द्वारा ग्राम पंचायत दोंगडा ने पानी की समस्या से एवीगत कराते हु? झरने पर एनिकट बनाने का आग्रह किया जिस पर केंद्रिय मंत्री ने सरकारी योजनाओं के माध्यम से बेडा का बास एनिकट बनाने की घोषणा की जिससे झरने के आसपास के क्षेत्र में भुजल स्तर में सुधार होगा। कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न ग्राम पंचायत में विभिन्न विकास कार्य का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

विभिन्न विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

केंद्रिय जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कार्यक्रम में ग्राम दोंगडा, चोरबसई, बाघोडा, तिगांवा साहित वीभिन्न गांवों में इन्टरलोकिंग सड़के, नाली निर्माण, बोरिंग एंव टंकी निर्माण कार्य, गंदे पानी के निकासी हेतू पाइप लाइन कार्य, खेल मैदान का लोकार्पण एंव शिलान्यास किया। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कलक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, प्रधान तिजारा जेपी यादव, पूर्व विधायक मामन सिंह यादव, पूर्व जिला प्रमुख रेखा राजू यादव, संदीप दायमा, इंद्र यादव, डॉ अंजली यादव, मण्डल अध्यक्ष मनीष शर्मा सहित अनेक प्रबुध व्यक्ति, विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक तथा बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

विभिन्न विभागों की लगी स्टॉल, दी योजनाओं की जानकारी

कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा विभाग, विधुत विभाग, जलदाय विभाग, सरस डेयरी, राजीविका, बैकिंग सेवाओं आदि की स्टॉल लगाई गई जिनमें केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारियों ने मंच से अपने-अपने विभागों कि प्रमुख योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की गई।

डॉ. संदीप सैनी बने जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासारा की सहमति से चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विकास महला द्वारा डॉ. संदीप सैनी निवासी 139, पंचवटी, अलवर को संगठन के प्रति लगन निष्ठा व संगठनात्मक में किये गये कार्य को ध्यान में रखते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अलवर चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनित किया है। साथ ही निर्देशित किया कि संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिये प्रयासरत रहेंगे। डॉ. संदीप सैनी अलवर फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के सचिव, किशन नारायणी चन्द्रकला वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष एवं सैनी युवा महासभा अलवर के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत है। डॉ. संदीप सैनी को यह जिम्मेदारी जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव ललित तुनवाल रहे तथा अध्यक्ष डॉ. विकास महला ने की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रदेश कार्यालय प्रभारी कृष्ण कुमार शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव कमल शर्मा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

ब्यावर(निसं.) अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रामस्वरूप मेवाड़ा-विजयनगर का मेवाड़ा पैलेस, विजयनगर पर कलाल समाज भीलवाड़ा-अजमेर के पदाधिकारी गण एवं वरिष्ठ समाज बंधुओ द्वारा माल्यार्पण मुंह मीठा करवाकर समाज के नव-दायित्व की ढेरों बधाईया दी एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की रामस्वरूप मेवाड़ा हमेशा से समाज हित के कार्यों के प्रति अग्रणी रहते है। इस अवसर पर मेवाड़ा कलाल समाज भीलवाड़ा-अजमेर-टोंक परिक्षेत्र के मुख्य सचिव रणजीत मेवाड़ा-गुलाबपुरा, उपाध्यक्ष व युवा मोर्चा संरक्षक संदीप मेवाड़ा- गुलाबपुरा, मेवाडा युवा मोर्चा अजमेर जिलाध्यक्ष-भगवती प्रसाद मेवाड़ा चांपानेरी, उपाध्यक्ष सचिन मेवाड़ा- विजयनगर, कोषाध्यक्ष अभिषेक मेवाड़ा-चांपानेरी,सर्व कलाल समाज विजयनगर परिक्षेत्र अध्यक्ष नेमीचंद मेवाड़ा,युवामोर्चा नगर अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा-विजयनगर, युवा मोर्चा भीलवाड़ा उपाध्यक्ष विजय मेवाड़ा-गागेड़ा, युवा मोर्चा सचिव महेंद्र मेवाड़ा-गुलाबपुरा, कार्यकारी सदस्य गजराज मेवाड़ा विजयनगर, गोविंद मेवाड़ा, मुकेश मेवाड़ा-गुलाबपुरा, यशवंत सुवालका विजयनगर, दुर्गेश मेवाड़ा-विजयनगर सुनील मेवाड़ा, वीरेंद्र मेवाड़ा -विजयनगर, मनोज सुवालका गुलाबपुरा आदि मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति की साफ-सफाई

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) निकटवर्ती ग्राम रामसिंहपुरा में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती से पूर्व रविवार को बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति की भाजपा कोटपूतली उत्तर मंडल द्वारा डॉ. अम्बेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत विधायक हंसराज पटेल के नेतृत्व में साफ-सफाई की गई। इस मौके पर विधायक पटेल ने बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। पटेल ने छात्रावास अधीक्षक से छात्रावास में रह रहे छात्रों के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान एसडीएम बृजेश चौधरी, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र सैनी, गोपाल मोरीजावाला, सरपंच सोनू चौधरी, कमल कसाना समेत अन्य मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई कर जलाये दीपक

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। कस्बे के नगर परिषद पार्क में स्थित संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अरूण सैनी के नेतृत्व में रविवार को साफ-सफाई की गई। इस मौके पर दीपक भी जलाये गये। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर की जयंती रविवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। इस दौरान भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री एड. सुबेसिंह मोरोडिया, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, गोपाल मोरीजावाला, शशि मित्तल, पार्षद प्रमोद गुरूजी, भूपेन्द्र यादव, कपिल शर्मा, सुनील चौधरी, नेमीचंद हिंदू, दीपक सैन, अरविंद सैनी, विक्रम कुमावत, पूरण पोषवाल, रमन सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

शहीद भगत सिंह का बलिदान देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा- वन राज्यमंत्री शर्मा

वन राज्यमंत्री शर्मा ने वैशाखी पर्व पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को वैशाखी के पावन पर्व पर अलवर शहर में भगतसिंह सर्किल पर पुरूषार्थी समाज के लोगों के साथ वीर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। इस मौके पर राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि शहीद भगत सिंह जी का बलिदान देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका बलिदान हमें देशभक्ति और सेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि वीर सपूत भगतसिंह ने अपने अद्वितीय संघर्ष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की इसके लिए देश इनके अतुल्य त्याग और बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि वैशाखी का पर्व नई ऊर्जा और उमंग का प्रतीक है।

सामान्य चिकित्सा में वाटर कूलर का किया शुभारंभ, पेयजल टैंकर को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

राज्यमंत्री शर्मा ने पुरुषार्थी समाज द्वारा राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में लगाए गए वाटर कूलर का शुभारंभ किया। उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा वाटर कूलर लगाए जाने पर साधुवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज में मानव सेवा का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि इस वाटर कूटर के शुरू होने से चिकित्सालय में आने वाले लोगों को शीतल जल मिलेगा। साथ ही उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा पेयजल प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आमजन की पेयजल व्यवस्था हेतु शुरू किए गए 'पानी के टैंकर' को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अपने दोनों बजटों में अलवर जिले की पेयजल समस्या समाधन हेतु अनेक सौगाते दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में आमजन को पेयजल हेतु परेशानी का सामना नहीं करने पडे इसके लिए विधायक निधि की संपूर्ण 5 करोड रूपये की राशि अलवर शहर की जनता की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए समर्पित की गई है। इस निधि से 39 बोरिंग करवाई गई हैं तथा अन्य स्वीकृत बोरिंगों को चालू कराने के लिए तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान मंत्री शर्मा ने सामान्य चिकित्सालय में अपने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. सुनील चौहान, अशोक आहूजा, रमेश जुनेजा, सौरभ कालरा, प्रेम गांधी, दीवान चंद सेतिया सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

आरोपः जूली बोले धर्म व जाति के आधार पर लड़ाती है बीजेपी

अजमेर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष ने की दरगाह में जियारत, भाजपा पर साधा निशाना

जयपुर टाइम्स

अलवर/जयपुर(कासं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को अजमेर स्थित हजरत वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ पर चादर पेश की। उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला। जूली ने भाजपा की नीतियों को समाज को बांटने वाली मानसिकता करार दिया। जूली ने कहा कि अजमेर में वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में सूफी परंपरा का एक अहम केंद्र है, जहां सभी धर्म और वर्ग के लोग आकर श्रद्धा के साथ शीश झुकाते हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की मानसिकता धर्म और जाति के आधार पर समाज के एक वर्ग को दूसरे वर्ग से लड़ाने की है। जूली बोले अब यह मानसिकता पूरी तरह से उजागर हो चुकी है, लेकिन देश के सभी वर्गों को संयम बरतना होगा। जूली ने भाजपा नेता द्वारा की गई विवादित टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले दिनों जो भाजपा नेता ने किया, उसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है, यह घटना पूरे देश को मालूम है। उस घटना ने भाजपा सरकार की सोच और उसकी असली मानसिकता को देश के सामने उजागर कर दिया है। जूली ने संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर का हवाला देते हुए कहा कि जब हम संविधान की बात करते हैं, तो वह हर नागरिक पर लागू होता है। चाहे वह आम नागरिक हो या कोई राजनीतिक दल। उन्होंने यह भी कहा कि देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी धर्मों और जातियों के लोगों को मिलकर काम करना होगा। यह समय है जब हमें बाबा साहब अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए और संविधान की मूल भावना को सशक्त करना चाहिए।

जूली ने नफरत फैलाने वाली ताकतों को हराने का किया आवाहन

जूली ने देश की गंगा-जमुनी संस्कृति का जिक्र करते हुए नफरत फैलाने वाली ताकतों को हराने का आह्वान किया। जूली बोले राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उन्हें विकृत मानसिकता वाले कुछ लोग हिला नहीं सकते। जूली बोले चादर चढ़ाने के पीछे हमारे देश की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारा, अदब और रवादारी की अलामत है। पूरी दुनिया को इससे यह संदेश जाना चाहिए कि हिंदुस्तान में कौमी इत्तेहाद और भाईचारा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे चंद झोंकों और विकृत सोच के लोगों द्वारा हिलाई नहीं जा सकती हैं। इस दौरान किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष विजय जैन, कांग्रेस नेता इमरान खान, हमीदा बानो आदि मौजूद रहे।

पंजाबी समाज द्वारा आयोजित हुआ बैसाखी मेला, पंजाबी गीददा पर जमकर झूमे पंजाबी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अतुल्य श्री पंजाबी समाज अलवर, राष्ट्रीय पंजाबी महासभा अलवर, समस्त पंजाबी समाज अलवर द्वारा आपसी भाईचारे का प्रतीक बैसाखी पर्व बैसाखी मेले के रूप मे निजी रिसोर्ट मे आयोजित हुआ। कार्यक्रम संयोजक बालकिशन आहूजा ने बताया कि मनोरंजन एवं रोमांच से भरपूर भव्य बैसाखी मेले मे टैटू आर्टिस्ट, रिंग टॉस, गुण शूटिंग, बाल गेम, बुन फायर जैसे गेम्स नें बाचो व परिवारों को मेले के रंग मे रंगने को मजबूर कर दिया तय समयानुसार शाम 6.30 बजे से दीप प्रज्वलन व गणपति वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक कुमार बैरी अखिल भारतीय अधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अनुराग सरीन ज्वॉइंट कमिश्नर स्टेट जीएसटी जयपुर रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ मुकेश अरोड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल श्री पंजाबी समाज नें की। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि अमित छाबड़ा अध्यक्ष राष्ट्रीय पंजाबी महासभा अलवर एवं अभिषेक तनेजा रहे। कार्यक्रम में आकर्षक फ़ूड स्टालें, बच्चों के लिए झूले, भूल भुलैया, भव्य आतिशबाजी, पंजाबी सिंगर के समूहिक समायोजन से समाज के लोगो नें रल मिलकर बैसाखी मनायी। कार्यक्रम में पंजाब की खालसा भांगड़ा पार्टी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, मेला संयोजक पंकज मल्होत्रा नें बताया की इस अवसर पर समाज के बुजुर्गो व प्रसासनिक शीर्ष पदों पर अलवर मे सेवा दे रहे पंजाबीयो को कार्यक्रम मे विशिष्ठ अतिथ्य दिया गया। बैसाखी मेले के आयोजन मे प्रोफेसर संजय दरगन, सौरभ कालरा, सुनील आहूजा, विशाल चौधरी, प्रमोद मेहता, किशोर गांधी, संदीप आहूजा, अभिषेक आहूजा, वैभव मेंहदीरत्ता, पवन सोनी, रजनीश बांगा, मधुर हर्ष भाटिया, अमित लौटा साहिल जुनेजा, विकास जासूजा, रवि लम्बा, संदीप नकड़ा सहित बहुत से युवाओं नें सहयोग दिया।

भजन लाल सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिये कर रही कार्य- पटेल

02 करोड़ 85 लाख 50 हजार रूपयों की लागत से 10.75 किमी लम्बी सडक़ निर्माण कार्यो का किया शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) विधायक हंसराज पटेल ने रविवार को क्षेत्र में विभिन्न सडक़ों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने 02 करोड़ 85 लाख 50 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 10.75 किमी लम्बी 05 सडक़ों का बतौर मुख्य अतिथि पट्टीका का लोकार्पण कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इनमें 30 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 1.20 किमी लम्बी रामसिंहपुरा सम्पर्क सडक़, चौलाई से नवरंगपुरा तक 56 लाख 25 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 2.25 किमी लम्बी सडक़, राजमार्ग से चानचकी तक 01 करोड़ 01 लाख 25 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 4.5 किमी लम्बी सम्पर्क सडक़ व नवरंगपुरा बाबा भैंरू के मंदिर से ढ़ाणी बोरावाली तक 98 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 2.8 किमी लम्बी मिसिंग लिंक सडक़ के निर्माण कार्य का विधायक ने शुभारम्भ किया। इस दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जिन गांव-ढ़ाणियों में सडक़ें नहीं है। वहाँ सडक़ निर्माण हमारी प्राथमिकता है। भजन लाल सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिये कार्य कर रही है। विकास कार्यो में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इस दौरान विधायक समेत अन्य अतिथियों का ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत भी किया। विधायक पटेल ने ग्रामीणों की विभिन्न समस्यायें सुनते हुये मौके पर ही एसडीएम बृजेश चौधरी व डीएसपी राजेन्द्र बुरडक को तत्काल समाधान के निर्देश दिये। इस दौरान मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र सैनी, कमल कसाना, गोपाल मोरीजावाला, सरपंच विपिन जाखड़, रीना वर्मा, कमल पटेल, राजेश रावत समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व अन्य मौजूद रहे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
14 अप्रेल, 2025

सड़कों के निर्माण के संबंध में की गई बजट घोषणा को निर्धारित समय में पूर्ण करें सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी - उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में रविवार को करौली में हिण्डौन के गणेशन होटल में पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में जितने भी विकास कार्य संचालित किये जा रहे है, उन्हें निर्धारित समय में गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाए। सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नॉन पेचेबल नई सड़कों के प्रस्ताव समय से सक्षम स्तर से अनुमोदन हेतु भिजवाएँ। वहीं अन्य पुलिया आदि के कार्यों की डीपीआर तैयार करवाकर विकास कार्यों में गति लाएँ। 04 लेन के सम्बंध में बजट घोषणा को निर्धारित समय में पूर्ण करने के लिए उपमुख्यमंत्री ने विभाग के अधीक्षण अभियन्ता श्री जयलाल मीना को निर्देश प्रदान किए। साथ ही जो सड़कें गत वर्ष बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं उनको शीघ्र दुरुस्त करवाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने महिला एवं बाल विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में जिन आँगनबाड़ी केन्द्रों को कोई भामाशाह गोद लेना चाहते हैं उनके प्रस्ताव शीघ्र भिजवाएँ। साथ ही उन्होंने छाया, पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश प्रदान किए। इसी के साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण ट्रेकर पर पीएम मातृत्व वंदन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा भी की। उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक को हाल ही में की गई घोषणा से संबन्धित कार्यों को समय से शुरू करने एवं जिले में पर्यटन की संभावनाओं के मद्देनजर जनप्रतिनिधियों की राय लेते हुए प्रस्ताव तैयार कर सक्षम स्तर को भिजवाने के दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परेडवाल, करौली के विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज गुर्जर, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी के अधीक्षण अभियंता पीसी मीना, हिण्डौन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राशमी पुलिस ने पकड़ा 141 किलो डोडाचूरा, पुलिस को देख की थी भागने की कोशिश

जयपुर टाइम्स

चित्तौड़गढ़(निसं.) राशमी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 141 किलो 62 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद कर फलौदी जिले के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन और डीएसपी गंगरार प्रभुलाल कुमावत की निगरानी में यह कार्रवाई की गई। राशमी थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवल, एएसआई सुभाष चंद्र, हेड कांस्टेबल गोपाल लाल, कांस्टेबल रमेश विश्नोई, रामचंद्र, सज्जन सिंह, चतरदान, रामकिशन और अर्जुन की टीम ने थाना क्षेत्र के बावलास गांव से रुद गांव की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी शुरू की। रुद गांव की ओर से एक संदिग्ध कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब कार को रोकने की कोशिश की, तो ड्राइवर ने नाकाबंदी स्थल से कुछ दूरी पर कार रोककर भागने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने चारों तरफ से घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया और ड्राइवर को वहीं बैठे रहने की हिदायत देते हुए कार की तलाशी ली। जब पुलिस ने कार की जांच की तो ड्राइवर की सीट के पीछे की सीट हटी हुई पाई गई और पीछे की सीट, डिक्की में काले प्लास्टिक के छह कट्टे पाए गए। इन कट्टों में कुल 141 किलो 62 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा हुआ था। पुलिस ने कार और अवैध मादक पदार्थ को जब्त करते हुए कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान फलौदी निवासी दिनेश (24) पुत्र सुरजाराम विश्नोई के रूप में हुई है। आरोपी दिनेश के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह डोडाचूरा कहां से लाया गया और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

सम्यक कम्प्यूटर क्लासेस ने मनाया 13वां स्थापना दिवस, 100+ शाखाओं के साथ तकनीकी शिक्षा में रचा नया कीर्तिमान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) देश की अग्रणी आईटी व टेक्निकल ट्रेनिंग संस्था सम्यक कम्प्यूटर क्लासेस ने अपने 13वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सम्यक की देशभर में फैली 100 से अधिक शाखाओं के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर्स और स्टाफ के साथ मिल कर समारोह का आयोजन किया संस्थान की शुरुआत वर्ष 2013 में जयपुर से हुई थी, और आज सम्यक की शाखाएं देशभर में 35 से अधिक शहरों में मौजूद हैं। संस्थान ने हजारों छात्रों को डिजिटल और तकनीकी दुनिया में दक्ष बनाकर रोजगार की नई राह दिखाई है। संस्था के निदेशक मनीष मित्तल ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा - "सम्यक का सफर एक छोटे से कदम से शुरू होकर आज लाखों छात्रों के भविष्य को गढ़ने तक पहुंचा है। यह सफलता हमारे समर्पित स्टाफ, छात्रों और विश्वास करने वाले अभिभावकों की देन है। हमारा उद्देश्य है - हर विद्यार्थी को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना। हमारा उद्देश्य सिर्फ कोर्स कराना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह 13 साल की यात्रा हमारे छात्रों, टीम और पार्टनर्स के विश्वास का परिणाम है। अब हमारा लक्ष्य ग्लोबल लेवल पर विस्तार करना है।" साथ ही, सभी स्टाफ सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया, और मंच पर रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। सम्यक कम्प्यूटर क्लासेस की निरंतर सफलता में शीतल शर्मा, महीप राठोड, ममता यादव, मेघना अग्रवाल व अन्य मुख्य स्टाफ का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा है। एक समर्पित ट्रेनर, कंसल्टेंट और ब्रांच डेवेलपर व मैनेजर के रूप में उन्होंने संस्थान की कई शाखाओं के निर्माण, विस्तार और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में न केवल सैकड़ों छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिली है, बल्कि संस्थान को डिजिटल मार्केटिंग, ट्रेनिंग क्वालिटी और ब्रांडिंग के स्तर पर भी नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टे के 6 आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर(निसं.) उदयपुर की गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट पर सट्टा लगाते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। इनसे 30 मोबाइल, 7 लेपटॉप, 5 कम्प्युटर सेट, 8 बैंक पासबुक और 12 एटीएम कार्ड, 10 सिम कार्ड और 4 रजिस्टर सहित लाखों रुपयों के लेनदेन का हिसाब जब्त किया है। एसपी योगेश गोयल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 8 अलग-अलग बैंक के कुल 19 खातों को फ्रिज करवाया गया है। इस पूरे गिरोह का मास्टर माइंड मोहित पाहुजा है जिसकी तलाश जारी है। थानाधिकारी दिलिप सिंह झाला ने बताया कि जीवनतारा कॉलोनी में एक फ्लेट पर रेडी अन्ना ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट पर सट्टा लगाने का धंधा चल रहा था। भनक लगते ही मास्टर माइंड मोहित पाहुजा फरार हो गया। आईटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे जांच जारी है। थानाधिकारी ने बताया कि जिला स्पेशल टीम की सूचना पर जीवनतारा कॉलोनी में एक फ्लेट में दबिश दी गई। जहां 6 युवक अलग–अलग लेपटॉप व कम्प्यूटर सेट पर ऑनलाइन काम करते और पैसे का ट्रांजेक्शन करते मिले। लेपटॉप सिस्टम पर बैठे संजय सालवी ने बताया कि वह उस फ्लेट पर अन्य साथियों के साथ मिलकर रेडी अन्ना ऐप पर काम करते हैं। इस एप पर क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी जैसे ऑनलाइन गेम है। जिसमें खेलने के लिए आईडी की जरूरत होती है। वाट्सऐप ग्रुप पर अंजान ग्राहक आईडी प्राप्त करते है फिर ग्राहक क्यू आर कोड के माध्यम से गेम का भुगतान करते है।

टेक्सटाइल व्यापारी को हनी ट्रैप में फंसाया, 15 लाख मांगे

बाड़मेर(निस)। बाड़मेर में महिला ने अपने प्रेमी समेत अन्य साथियों के मिलकर टेक्सटाइल कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसा लिया। व्यापारी को घर बुलाकर मारपीट की और उसके अश्लील वीडियो बनाए। व्यापारी को छोड़ने के एवज में 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। कैश नहीं होने पर व्यापारी से चार खाली चैक लेकर छोड़ दिया। घटना बाड़मेर जिले के महावीर नगर में 8 अप्रैल को हुई। गुड़ामालानी थानाधिकारी देवी चंद ढाका ने बताया- मामले में महिला विमला (32) ने उसके प्रेमी रतन कुमार (35), बाबूराम (28) को गिरफ्तार कर लिया। अर्जुन सिंह फरार चल रहा है। थानाधिकारी के अनुसार- जालोर निवासी व्यापारी ने रिपोर्ट में बताया कि निंबज रेवदर सिरोही हाल महावीर नगर निवासी विमला से 2- 3 महीने पहले संपर्क हुआ था। महिला ब्यूटी पार्लर संचालिका है। महिला विमला ने उसके प्रेमी रतन कुमार और अन्य साथी के साथ मिलकर व्यापारी को हनी ट्रैप में फंसाने ने प्लानिंग बनाई थी।

जोधपुर की ग्राम पंचायत नांदड़ी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण, प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध - संसदीय कार्य मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर की पंचायत समिति मंडोर की नांदड़ी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रविवार को 61 लाख रूपये की लागत से ग्राम पंचायत नवनिर्मित भवन का विधिवत् रूप से फीता काटकर लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गरीबी मुक्त राजस्थान के लिए 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' प्रारम्भ की गई है। प्रथम चरण में 5 हजार गाँवों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।उन्होंने कहा स्वामित्व योजना के इस वर्ष में 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जाएंगे। पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि एवं किसान कल्याण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है और गेहूँ के एमएसपी पर प्रति क्विंटल 150 रुपये का बोनस उपलब्ध करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि प्रदेश में सबसे पिछड़े 35 ब्लॉक्स में विकास को गति देने के लिए गुरु गोलवलकर एस्पिरेशनल ब्लॉक्स डेवलपमेंट स्कीम के तहत 75 करोड़ रूपये का व्यय किया जाएगा। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए इस वर्ष महात्मा गांधी नरेगा के तहत 34 करोड़ मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सुशासन एवं जन केंद्रित प्रशासन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन पंचायत भवनों में मिनी सचिवालय की स्थापना की जा रही है। जिसके तहत एक ही छत के नीचे ग्रामीण विकास, पंचायती राज, राजस्व, कृषि विभाग एवं ई-मित्र संबंधित आमजन से जुड़े कार्य संपादित किए जाएंगे। पटेल ने कहा कृषि एवं उद्यानिकी के विकास के लिए 'राजस्थान कृषि विकास योजना' के तहत इस वर्ष 1 हजार 350 करोड़ के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गयी है। इस वर्ष 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस वर्ष प्रदेश के युवाओं को एक लाख 25 हजार पदों पर सरकारी नौकरी दी जाएगी और निजी क्षेत्र में एक लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा वर्षों बाद ड्राइवर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों के बड़ी भर्ती की जा रही है और पेपर लीक माफिया पर निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

जलदाय संसाधन मंत्री ने बांसवाड़ा में ली बैठक, जल संसाधन विभागीय कार्यों की समीक्षा की, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

बांसवाड़ा(निसं.)। जल संसाधन एवं जल संसाधन (आयोजना) विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत ने त्रिपुरा सुंदरी में अधिकारियों की बैठक ली और कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय पर पूरा करने सहित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री सुरेश रावत ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा नहरी पानी के बेहतर प्रबन्धन और जलस्रोतों के रखरखाव के प्रति विशेष गंभीरता बरतने के निर्देश जलसंसाधन विभाग एवं माही परियोजना के अधिकारियों को दिए हैं रावत ने बैठक में जल संसाधन मंत्री ने 100 करोड़ से अधिक लागत के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अपर हाई लेवल कैनाल, पीपलखूंट हाई लेवल कैनाल, अनास नदी पर गडरिया एनीकट, खमेरा नहर सिंचाई परियोजना, अनास नदी पर थापड़ा एनिकट आदि कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और समय पर कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर डॉ इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, जलसंसाधन विभाग के मुख्यअभियन्ता एवं अतिरिक्त सचिव श्री अमरजीत मेहरडा, मुख्य अभियन्ता अजय कुमार त्यागी, अधीक्षण अभियन्ता अनिल गुप्ता, अधीषासी अभियन्ता राजेन्द्र सिंह अखनी, माही के अधीक्षण अभिन्यता सुरेन्द्र दातला, प्रकाश रेगर, जितेन्द्र वर्मा,सहित जलसंसाधन व माही विभागीय अधिकारी उपस्थित।

100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से 50 करोड़ की ठगी, साथी कांस्टेबल निकला मास्टरमाइंड

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के अजमेर में एक हैरान करने वाला ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से करीब 50 करोड़ रुपए की ठगी की गई। चौंकाने वाली बात ये है कि ठगी करने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि खुद पुलिस विभाग का कांस्टेबल पवन मीणा है। करौली निवासी पवन मीणा, अजमेर पुलिस लाइन में पोस्टेड था और अपने साथी पुलिसकर्मियों को हाईवे प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़पति बनाने का सपना दिखाता था। उसने दावा किया कि उसके भाई को मास्टर प्लान की अंदरूनी जानकारी है और अभी जमीनों में निवेश कर दोगुनी-चौगुनी कमाई की जा सकती है। कांस्टेबल दीपक वैष्णव ने बताया कि उसने खुद एक करोड़ रुपए निवेश किए। किसी ने पत्नी के गहनों पर लोन लिया, तो किसी ने जमीन तक बेच डाली। पवन खुद पार्टनर भी ढूंढकर लाता था ताकि भरोसा और बढ़े। शुरुआत में वह संपर्क में रहा, पर बाद में गायब हो गया। फिलहाल पवन मीणा फरार है। कई थानों में पीड़ितों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं। अजमेर पुलिस जांच में जुटी है।

अलवर दौरा टला, अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में नहीं आएंगे राहुल गांधी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सोमवार को प्रस्तावित अलवर दौरा अचानक स्थगित कर दिया गया है। उन्हें डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। इसके अलावा, उनके राम मंदिर दर्शन करने का कार्यक्रम भी तय था। राम मंदिर वह स्थान है जहां हाल ही में कांग्रेस नेता टीकाराम जूली के जाने के बाद भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने गंगाजल छिड़ककर विरोध जताया था। इस घटनाक्रम को लेकर 6 अप्रैल को आहूजा का एक विवादित बयान भी सामने आया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बयान के बाद कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी और 8 अप्रैल को पूरे राजस्थान में विरोध प्रदर्शन किया। अब राहुल गांधी के दौरे के स्थगन को इस पूरे विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इस बदलाव की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है। स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में इस फैसले को लेकर निराशा है, क्योंकि राहुल गांधी की मौजूदगी से कार्यक्रम को खास राजनीतिक संदेश देने की तैयारी थी। अब पार्टी नए शेड्यूल का इंतजार कर रही है।

जयपुर में RCB की धमाकेदार जीत, सुरक्षा घेरे में सेंध; कोहली के पास पहुंचा फैन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) सवाई मानसिंह स्टेडियम में रविवार को खेले गए IPL मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स (₹₹) को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। विराट कोहली और फिल सॉल्ट की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत बेंगलुरु ने 17.3 ओवर में ही 175 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 173 रन बनाए थे, जिसमें यशस्वी जायसवाल के 75 रनों की अहम भूमिका रही। जवाब में RCB के सलामी बल्लेबाजों ने कोई मौका नहीं छोड़ा। कोहली ने नाबाद 62 और सॉल्ट ने 65 रनों की आतिशी पारी खेली। हालांकि, मैच के बाद सेरेमनी के दौरान सुरक्षा में चूक सामने आई। दो युवक सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुस आए और विराट कोहली समेत अन्य खिलाड़ियों के पास पहुंच गए। स्टेडियम में मौजूद सुरक्षाकर्मियों और टीम मैनेजमेंट ने तुरंत उन्हें काबू में लिया। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ जारी है। मैच के दौरान कोहली को लेकर फैंस का जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। स्टेडियम के बाहर एक युवक कोहली के गेटअप में गन्ने का जूस बेचता नजर आया। वहीं टिकट ब्लैक में बेचने की घटनाएं भी सामने आईं। 3600 रुपए का टिकट 4000 में और 2400 का टिकट 3000 रुपए में बेचा जा रहा था। इस मैच में RCB पहली बार ग्रीन जर्सी में उतरी और शानदार जीत दर्ज की।

"युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में जुए के दलदल में धकेलती सेलिब्रिटियों के विज्ञापन"

आलेख- डॉ राकेश वशिष्ठ, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादकीय लेखक

"उन सेलिब्रिटिज, क्रिकेटर्स और नेताओं की सार्वजनिक निंदा और इन तमाम का सार्वजनिक बहिष्कार करने की आवश्यकता है जो इन बैटिंग एप्स और गेमिंग एप्स को प्रमोट कर रहे है। इन विज्ञापनों से खुद कमाने के लिए ये सेलिब्रिटिज युवाओं को जुए के दलदल में धकेलने में लगे हुए हैं बड़ी से बड़ी सेलिब्रिटी लुभावने विज्ञापनों के जरिए युवा वर्ग को गुमराह कर भ्रामक जानकारी ओर वादे कर युवा वर्ग को जुए के दलदल में धकेल रही है।"

ऑनलाइन गेमिंग के कारण लोगों के बर्बाद होने और आत्महत्या करने की खबरें पूरे देश से आती रहती है भारत में लगभग दो-तिहाई सबसे ज्यादा आबादी युवाओं की है और युवा पीढ़ी इतनी डिजिटल फ्रेंडली है कि शौक-शौक में खेलते हुए वह ऑनलाइन गेम के दलदल में कब फंस जाती है, पता ही नहीं चलता यहां तक कि 10-15 आयु वर्ग के बच्चों को भी इसका नशा हो गया है रातों-रात मालामाल होने के चक्कर में ये फंस जाते हैं, जिससे निकलना आसान नहीं है लॉटरी की तरह ऑनलाइन गेमिंग पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिये समाज के विभिन्न क्षेत्र के लोगों, संस्थाओं हलह आदि को एक मंच पर आकर इसके खिलाफ अभियान चलाने की आवश्यकता है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में करीब इस साल ऑनलाइन सट्टा का व्यापार 12 लाख करोड़ का हो गया है और ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री हर साल 30 प्रतिशत की दर से फल-फूल रही है। देश में हर साल हजारों परिवार बर्बाद हो जाते हैं। अकेले तमिलनाडु में पिछले वर्ष में 40 लोग आत्महत्या कर चुके हैं। पहले जो लोग लॉटरी और जुए की लत से बर्बाद होते थे, वही काम आज ऑनलाइन गेमिंग की लत कर रही है, जिसे स्मार्ट, एजुकेटेड और अप टू डेट युवा वर्ग खेलता है।

कई राज्य कानूनों में सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा हुआ है, वहीं स्किल से जुड़े कुछ गेम्स को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने कई फैसलों में संवैधानिक रूप से जायज माना गया है। इस कानूनी परिदृश्य में, भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग ने हाल के दिनों में भारी तरक्की देखी है। हालांकि, इस मौजूदा कानूनी परिदृश्य के बावजूद बीते कुछ वर्षों में इस उद्योग से विभिन्न सामाजिक और आर्थिक चिंताएं उभरकर सामने आई हैं। बच्चों और वयस्कों के बीच लत से जुड़ी चिंताओं के मद्देनजर यूज़र को होने वाले नुकसान, खासकर ऐसी लत के कारण वयस्क यूजर्स को हुए वित्तीय नुकसान हिंसक या अनुचित सामग्री के चित्रण के लिहाज से कॉन्टेंट से जुड़ी चिंताएं, क्योंकि बच्चों को ऐसी सामग्री या रियल मनी गेम्स तक पहुंचने से रोकने के लिए ठोस उपाय नहीं हैं जुए और सट्टेबाजी की विदेशी वेबसाइटों के विज्ञापन भारतीय यूजर्स को निशाना बना रहे हैं यूजर्स के पैसे की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों की कमी है और किसी सख्त कार्रवाई तंत्र के अभाव में मनी लॉन्ड्रिंग संबंधी चिंताएं हैं।

ऑनलाइन जुए की लत- जब किसी इंटरनेट लिंक, वेबसाइट या मोबाइल ऐप के ज़रिए पैसे दांव पर लगाए जाते हैं तो इसे ऑनलाइन गैम्बलिंग या ऑनलाइन जुआ कहते हैं इसमें पोकर, ब्लैकजैक, स्लॉट मशीन और कई अन्य तरह की सट्टेबाज़ी शामिल हैं जब कोई ऑनलाइन जुआ खेलता है तो आपके सामने एक कंप्यूटर प्रोग्राम या एक व्यक्ति हो सकता है नए यूजर्स को ऑनलाइन जुए की ओर आकर्षित करने के लिए शुरू शुरू में उन्हें मुफ़्त गेम खेलने की पेशकश की जाती है और सोशल मीडिया के ज़रिए उन्हें टारगेट किया जाता है। ऐप को इस तरह से डिज़ाइन किया जाता है कि जुआ खेलने वाले लंबे समय तक खेलते रहें वो खेल के दौरान इससे पूरी तरह चिपके रहते हैं। जब फ्री क्रेडिट ख़त्म हो जाते हैं तब इसमें अपने पैसे लगाने पड़ते हैं। जब आप पहली बार ये जुआ खेलते हैं तो इसके बाद आपको इससे जुड़े विज्ञापन मिलने लगते हैं जो आपको वापस गेमिंग वेबसाइट पर आने के लिए आकर्षित करते हैं।

एक्सपर्ट क्या कहते हैं? डिजिटल एक्सपर्ट कहते हैं कि युवा पीढ़ी पारंपरिक जुए की तुलना में ऑनलाइन जुए की ओर बड़ी तेज़ी से आकर्षित होती है। युवा पीढ़ी को जिस तरह से डिजिटल दुनिया की जानकारी है वो इस तरह के गेम्स से आसानी से जुड़ जाते हैं जिसकी भनक उनके माता-पिता को नहीं लगती है। एक ऑनलाइन जुए से जुड़ने के लिए आपको घर के बाहर अपने क़दम निकालने की ज़रूरत तक नहीं पड़ती क्योंकि सब कुछ ऑनलाइन ही तो है इस पूरी प्रक्रिया में आपको किसी के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव या आमने- सामने खेल में शामिल होने की ज़रूरत नहीं पड़ती लिहाजा जब आप ऑनलाइन जुआ खेल रहे होते हैं तो आपको कोई नहीं देखता है चूंकि यह पूरी तरह से ऑनलाइन जुआ है तो इसमें पैसे भी ऑनलाइन ही लगाने होते हैं।

ऑनलाइन जुए की लत का ज़िंदगी पर असर- कई लोग सिर्फ़ अपने मनोरंजन के लिए ऑनलाइन जुआ खेलना शुरू करते हैं, लेकिन जल्द ही उन्हें इसकी लत लग जाती है धीरे धीरे इसका असर उनकी ज़िंदगी पर पड़ने लगता है और कुछ लोगों पर इसका प्रतिकूल असर इतना होता है कि वो कंगाल तक हो जाते हैं। वे न केवल अपनी जमा पूंजी खोते हैं बल्कि अपना पूरा जीवन भी गंवा देते हैं क्योंकि कइयों ने इससे परेशान हो कर अपनी ज़िंदगी ही ख़त्म कर दी है। दूसरी तरफ़, एक शोध के मुताबिक, जैसे जैसे लोगों के लिए मोबाइल फ़ोन रखना आसान हो रहा है वैसे ही वो इंटरनेट का भी बहुत तेज़ी से इस्तेमाल कर रहे हैं। जो लोग ऑनलाइन जुए में लगे हैं वो इसकी जानकारी बग़ैर किसी को दिए ऐसा कर रहे होते हैं। ख़ास कर जब इसका ख़राब असर उन पर पड़ता है तब वो इसे किसी अन्य व्यक्ति से साझा तक नहीं करते। ऑनलाइन गेमिंग को प्रमोट करने वाली सेलिब्रिटी की हो सार्वजनिक निंदा और बहिष्कार- 2016 में जहां फैंटेसी स्पोर्ट्स खलेने वालों की संख्या 20 लाख थी, वह अब 2024 में 24 करोड़ पहुंच गई है और एक अनुमान के अनुसार 2027 तक यह संख्या भारत की जनसंख्या के एक तिहाई यानी कि 50 करोड़ हो जाएगी। मोबाइल के Android & IOS पर कई बैटिंग एप्स हैं, जिन पर लोग लाखों-करोड़ों रूपए लुटा रहे हैं। केंद्र सरकार ने 15 दिसंबर, 2023 तक 581 एप्प को ब्लॉक किया, जिनमें से कुल 174 सट्टेबाजी और जुए वाला एप्स थे, जिनमें पबजी, गरेना, फ्री फायर भी थे। केंद्र सरकार 2022 में ऑनलाइन गेमिंग रेगुलराइजेशन बिल लेकर आई थी, जो अभी तक लंबित है। उन सेलिब्रेटिज, क्रिकेटर्स और नेताओं की सार्वजनिक निंदा और इन तमाम का सार्वजनिक बहिष्कार करने की आवश्यकता है जो इन बैटिंग एप्स और गेमिंग एप्स को प्रमोट कर रहे है। इन विज्ञापनों से खुद कमाने के लिए ये सेलिब्रिटिज युवाओं को जुए के दलदल में धकेलने में लगे हुए हैं बड़ी से बड़ी सेलिब्रिटी लुभावने विज्ञापनों के जरिए युवा वर्ग को गुमराह कर भ्रामक जानकारी ओर वादे कर युवा वर्ग को जुए के दलदल में धकेल रही है। दूसरी तरफ आम जनता है जो उधार लेकर अपने पास रखी जमापूंजी भी लुटा देती है।

ऑनलाइन गेमिंग एक सॉफ्टवेयर राइडर गेम है। जो भी पहली बार इस गेम को खेलता है, उसका डाटा सॉफ्टवेयर कंपनी के पास चला जाता है, जो पहले व्यक्ति को जीताते हैं। जैसे-जैसे वो जीतता है, उसे इसकी लत लग जाती है, पर बाद में वह हारने लगता है, इसमें उसकी कोशिश यह होती है कि इस बार नहीं तो अगली बार जीत जाऊंगा, इसी लालच में वह ऑनलाइन गेमिंग के दलदल में फंस जाता है। जितना वह हारता है उसका 82 प्रतिशत कंपनी खाते में जाता है और 18 प्रतिशत उनका खर्च होता है, जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी सरकार ने लगाया हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग एक ऐसी बुराई है, जिस पर सरकार को कानून बनाकर रोक लगानी चाहिए।

मरूथळ इन आंधियों का अभयारण्य ही तो है...

चूरू के तो नाम से ही गर्मी बढ़ जाती है। आजकल फोन पर भी यही सवाल पूछा जा रहा, 'गर्मी कैसी है।' मैं कहता हूं, 'सामान्य है।' पूछने वाला कहता है, 'आपको तो लगेगी ही सामान्य। चूरू रच-बस जो गया है भीतर।' सचमुच जो रच-बस जाता है भीतर, हम कितने आदतन हो जाते हैं उसके। और साधारण लगते हुए भी वह भीतर ही भीतर कितना असाधारण रचते रहता है। कभी अच्छा, कभी बुरा। वह जब अच्छा रचता है तो हमें कितना कोमल, संवेदनशील बना देता है कि यह दुनिया कितनी अच्छी लगती है। वही जब विपरीत रचता है जो उसी एक के कारण समूची दुनिया आंख में रड़कने लग जाती है। यही दुनिया जो इतनी खूबसूरत है, कितनी अणखावणी हो जाती है। यही दुनिया जो इतने-इतने प्यारे दोस्तों से भरी हुई है, कितनी बैरण लगने लग जाती है। यही दुनिया जो भले लोगों से भरपूर है, शैतान का अड्डा नजर आने लगती है। छोटे-छोटे अनुभव इतनी बड़ी दुनिया को लेकर हमारा नजरिया बदल देते हैं। अनुभव अच्छे हैं तो जिंदगी गुलजार है। एकाध कसैला अनुभव पूरी दुनिया को बुरा बना देता है, कई बार हमें भी बहुत बुरा बना देता है। हम कितने नकारात्मक हो जाते हैं कि एक आदमी के किए-धरे के कारण अपना चश्मा ही बदल लेते हैं और हर किसी को कोसने लगते हैं जबकि आठ अरब की दुनिया में उस एक आदमी की औकात ही क्या है और हम भी उतने ही तो हैं। संकट यह है कि हम अपनी पूरी दुनिया उसे ही मान लेते हैं और इतनी शिद्दत से उसमें जुट जाते हैं कि जब गणित गड़बड़ाते हैं तो सारे समीकरण डूब जाते हैं। दुर्घटनाएं धन और तन के साथ जब मन को तोड़ती हैं तो यह असर दूर तक जाता है। भरे समंदर में डूब जाना इतना दुखद नहीं होता, 'जहां पानी कम था' में डूब जाने जितना।

डायरी/कुमार अजय

खैर, राजस्थान में कहीं भी चले जाएं, गर्मी बदहाल करती ही है कमोबेश। चूरू बेशक गर्म है लेकिन चर्चाएं इसे अधिक गर्म कर देती हैं। बद अच्छा, बदनाम बुरा। मुझे याद है बीसेक साल पहले एक शादी में जयपुर के एक वरिष्ठ पत्रकार किसी शादी में चूरू पहली बार आए थे तो साथ में नींबू-वींबू और कई दूसरे इंतजाम अपने साथ करके लाए थे। मुझे बड़ी हैरानी हुई थी ये देखकर। मैंने पूछा तो बताया कि चूरू जाने के नाम से ही घरवाले घबराए हुए थे। चूरू और जयपुर की गर्मी में कितना-सा फर्क है। हमारे लिए तो वे मई-जून की तपती धूप में खुले सिर गांव में रूळपट्टी करने के दिन थे। इसी बीच, खींप से बनी छान में पानी छिड़क कर उसकी ठंडी हवा से एयरकंडीशनर का लुत्फ ले लिया करते थे। उस छान में दिनभर ताश पीटते लोगों से अधिक खुशनसीब शायद ही कोई सिकंदर हुआ हो। काळी-पीळी आंधी भी तब गर्मी से जोरदार राहत हुआ करती थी। गोबर-लिपे आंगणों में धूळ इतनी रड़कती न थी। पंखे-कूलर दूर की कौड़ी थे। अब तो गांव के कितने ही घरों में ए.सी. लग चुके। यूं भी जेठ की दुपहरी तो दूर, सामान्य समय में भी अब बच्चे इतने रूळेट नहीं। कितनी सारी चिंताएं, कितने सारे दबाव, जीवन बहुत कुछ बदल चुका। सब डॉक्टर-इंजीनियर बनने में लगे हैं। रटंत विद्या बच्चों की मौलिक प्रतिभा को खाए जा रही है। क्लास-टॉपर बच्चों से महीने भर के दूध का हिसाब पूछ लें तो उन्हें कॉपी पेन चाहिए या फिर केलकुलेटर। एम.ए. पास लड़के को कोई प्रार्थना पत्र लिखने को कह दीजिए तो उसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। सबसे ज्यादा खराब हाल तो उन्हीं के हैं, जिनका काम ही लिखने-पढ़ने और पढ़ाने का है। शिक्षक मित्रों में एकाध फीसदी ही हैं, जो पाठ्य-पुस्तकों के अलावा भी कुछ पढ़ने में रूचि रखते हों। माणिक जी, राजीव स्वामी, भंवरलाल सहारण, अभिनव सरोवा या संदीप जोशी जैसे मित्रों से यह कहें तो उन्हें बहुत अखरता है लेकिन हकीकत वे खुद भी जानते हैं कि एक तरफ उन जैसे सक्रिय शिक्षक हैं तो दूसरी तरफ बहुत सारे वे लोग हैं, जिन्हें पढ़ने-लिखने से कोई सरोकार नहीं। ज्यादातर विद्यालयी पुस्तकालयों पर धूल जमी है और इस तरफ इशारा करो तो लाइब्रेरियन नहीं होना बताया जाकर इतिश्री कर ली जाती है।

खैर, गर्मी के साथ-साथ पिछले कुछ दिनों से तेज हवाएं भी चल रही हैं। आज धूळ भरी तेज आंधी आई। काळी-पीळी आंधी। रेत ही रेत। मरूथळ इन आंधियों का अभयारण्य ही तो है। यूं गर्मी और सर्दी भी इस अभयारण्य में जब विचरती है और बिचरती है तो भयाक्रांत करती है। इस साल ओळों ने भी खूब रंग दिखाया। फिलहाल, इस काळी-पीळी आंधी के कारण आसमान रेत से अट गया है, सब धूळीयाधूळ। हालांकि एक बारिश इस धूळ को धराशायी कर देगी। आसमान को एकदम साफ कर देगी। फिर से एक खुला आसमान, असीम संभावनाओं और अनंत उम्मीदों से भरा हुआ। होने से ज्यादा होने की उम्मीद जीवट देती है। एक समृद्ध वर्तमान की बजाय बेहतर भविष्य की आशाएं ज्यादा उत्साह से भरती हैं। मिलने से ज्यादा मिलने की आरजू और मिलने की उम्मीद महताऊ है। हालांकि लगातार बुरे अनुभवों के बाद, इस उत्साह को और इस ऊर्जा को हमेशा-हर बार बनाए रखना मुश्किल है। फिर भी, भाई मनमीत की जुबान से कहें तो, 'दिन महकेंगे, तुम आओगी/दिन बदलेंगे, तुम आओगी/नदी किनारे धीरे-धीरे/हम टहलेंगे, तुम आओगी/सुख नाचेंगे खुशी-खुशी से/ दुख बहलेंगे तुम आओगी।'

"जयंती का शोर, विचारों से ग़ैरहाज़िरी", "मूर्ति की पूजा, विचारों की हत्या", "हाथ में माला, मन में पाखंड"

बाबा साहेब की विरासत पर सत्ता की सियासत, जयंती या सत्ता का स्वार्थी तमाशा? बाबा साहब के विचारों—जैसे सामाजिक न्याय, जातिवाद का उन्मूलन, दलित-पिछड़ों को सत्ता में हिस्सेदारी, और संविधान की गरिमा की रक्षा—को आज के राजनेता पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। राजनीतिक दल केवल वोट बैंक के लिए अंबेडकर की जयंती मनाते हैं, जबकि वे उनके विचारों से कोसों दूर हैं। जिन मुद्दों के लिए बाबा साहब ने जीवन भर संघर्ष किया—जैसे आरक्षण की सामाजिक भूमिका, जातिगत जनगणना, आर्थिक आधार पर प्रतिनिधित्व—उन्हें आज भी दरकिनार किया जा रहा है। संसद और विधानसभाओं में पूंजीपतियों, सेलेब्रिटीज़ को भेजा जा रहा है, जबकि वंचित वर्ग हाशिए पर है। क्या बाबा साहब की आत्मा तब तक संतुष्ट हो सकती है जब तक उनके सपनों का भारत साकार न हो? यदि सच में अंबेडकर को श्रद्धांजलि देनी है, तो उनके विचारों को व्यवहार में लाना होगा—वरना यह सब केवल एक दिखावा और ढोंग ही रह जाएगा।

-प्रियंका सौरभ

देश भर में आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। मंदिरों की घंटियों की तरह मंचों पर माइक बज रहे हैं, फूलों की माला और भावुक भाषणों की बाढ़ है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार मन को कुरेदता है – क्या यह श्रद्धांजलि है या सत्ता की साधना?

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। वे महार जाति से थे, जिसे अछूत समझा जाता था। सामाजिक बहिष्कार और अपमान के बीच उन्होंने शिक्षा हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यह उपलब्धि अपने आप में उस समय के भारत में एक क्रांति थी।

बाबा साहेब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया – एक ऐसा धर्म जो समता, करुणा और ज्ञान की राह दिखाता है। 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं – बशर्ते उन्हें ज़िंदा रखा जाए।

आज जब हम संसद और विधानसभाओं की तरफ नज़र डालते हैं, तो पाते हैं कि वहां बड़े पैमाने पर पूंजीपति, अभिनेता, खिलाड़ी मौजूद हैं। लेकिन जो बहुजन समाज सत्ता की सीढ़ी बनता है, उसे नीचे ही रहने दिया जाता है। जातिगत जनगणना से बचने वाली सरकारें, सामाजिक न्याय को स्थायी नीति में बदलने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि समाज में गहराई से असमानता बनी हुई ह

बाबा साहब की जयंती पर करोड़ों रुपये खर्च कर देना, बड़ी रैलियां और पोस्टर लगवा देना, उनकी मूर्तियों को फूलों से ढक देना – क्या यही श्रद्धा है? क्या ये वही लोग नहीं हैं जो बाबा साहब की किताबें कभी पढ़ते तक नहीं? क्या ये वही सियासी दल नहीं हैं जिनकी नीतियां प्रत्यक्ष रूप से संविधान की आत्मा के विरुद्ध जाती हैं?

यह ढोंग तभी रुकेगा जब हाथी के दांत खाने और दिखाने के एक कर दिए जाएं। जब कथनी और करनी में फर्क मिटेगा। और जब शासन सत्ता में सभी को जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी मिलेगी – तभी हम कह सकेंगे कि हमने बाबा साहब को सही मायनों में श्रद्धांजलि दी है। जिस बाबा साहेब ने भारत के सबसे दबे-कुचले, हाशिए पर पड़े वर्गों को आवाज दी, संविधान में उनके अधिकार सुनिश्चित किए, उन्हीं के नाम पर आज वही लोग जयंती मना रहे हैं जिन्होंने उनके विचारों को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बाबा साहेब ने स्पष्ट कहा था "मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ, यह मेरे बस में नहीं था, लेकिन हिंदू होकर मरूंगा नहीं – यह मेरे वश में है।" इस ऐतिहासिक उद्घोषणा को समझने के बजाय, राजनेताओं ने उन्हें मूर्तियों तक सीमित कर दिया। संविधान, जिसे उन्होंने दलितों, पिछड़ों और गरीबों की रक्षा के लिए लिखा था, उसे आज बेतरतीब तरीके से तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है।

बड़े दुख की बात है कि जिन दलों का जन्म ही दलितों और पिछड़ों के हक के लिए हुआ था, वे आज या तो सत्ता के लालच में चुप हैं या डर के मारे मौनव्रत धारण किए हुए हैं। बसपा जैसे दल बाबा साहेब का नाम लेकर सत्ता में आए, लेकिन आज उनके सिद्धांतों की रक्षा में सबसे पीछे हैं। सिर्फ चुनावी रणनीति बनकर रह गया है बाबा साहेब का नाम। आरक्षित सीटों से विधायक-सांसद बनने वाले लोग अपने-अपने दलों की गुलामी में मग्न हैं। वे दलित हितों पर हो रहे प्रहारों को मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं। ऐसे में एक साधारण नागरिक के तौर पर मैं, विनेश ठाकुर, इन सत्ता-भोगी प्रतिनिधियों की कठोर निंदा करता हूँ। आज जो लोग बाबा साहेब को याद कर रहे हैं, उनमें से अधिकांश ने उनके विचारों पर एक कदम भी चलने का साहस नहीं दिखाया। जातिगत जनगणना, जनसंख्या के अनुपात में सत्ता में हिस्सेदारी, शिक्षा और रोज़गार में बराबरी जैसे मुद्दे आज भी लंबित हैं। इसके बजाय गरीबों को फ्री राशन देकर खुश करने की नीति अपनाई जा रही है – स्थायी रोजगार और गरिमा भरे जीवन की जगह भीख सरीखा जीवन दिया जा रहा है।

लोकसभा और विधानसभाओं में बड़े-बड़े उद्योगपति, अभिनेता और खिलाड़ी पहुँचते हैं, लेकिन जिनके वोटों से सरकारें बनती हैं – दलित, आदिवासी, ओबीसी – वे आज भी हाशिए पर हैं। बाबा साहेब की असली विरासत की हत्या हो चुकी है और अब उनकी जयंती सिर्फ एक राजनीतिक इवेंट बन गई है।

उनकी जीवनी सबको मालूम है – 14 अप्रैल 1891, महू (मध्यप्रदेश) में जन्म, अछूत मानी जाने वाली महार जाति से संबंध, बचपन में भेदभाव का शिकार, लेकिन अद्वितीय प्रतिभा से दुनिया को चौंका देने वाला व्यक्तित्व। उन्होंने पूरी दुनिया से ज्ञान अर्जित कर भारत के लिए एक ऐसा संविधान लिखा जो हर नागरिक को समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाकर सामाजिक विद्रोह किया। वे जीवन भर छुआछूत, जातिवाद, असमानता और राजनीतिक उपेक्षा के खिलाफ संघर्ष करते रहे। लेकिन आज, उनके नाम पर सिर्फ भीड़ जुटाई जा रही है, विचार नहीं। राजनीतिक दलों से मेरा सीधा सवाल है – क्या आपने सामाजिक न्याय के लिए कोई ठोस कदम उठाया? जवाब स्पष्ट है शून्य।

यदि वास्तव में आप बाबा साहेब की सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो एक वर्ष के लिए धार्मिक आयोजनों, दिखावटी अभियानों और मूर्ति अनावरणों का बजट काटिए। उस पैसे से सभी जातियों के लिए आर्थिक आधार पर न्याय की व्यवस्था कीजिए। सत्ता में जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी सुनिश्चित कीजिए। 50% कमीशनखोरी बंद करिए, निजीकरण की लहर पर विराम लगाइए।

अगर आप यह कर सकें, तो यकीन मानिए – बाबा साहेब की आत्मा कहेगी, "अब तुमने मेरे विचारों को सिर्फ याद नहीं किया, बल्कि जिया है।" वरना, हाथी के दिखाने और खाने के दांतों में फर्क बना रहेगा – और यह फर्क ही एक दिन लोकतंत्र को निगल जाएगा।

सत्ता, शहादत और सवालः जलियांवाला बाग की आज की प्रासंगिकता

जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919) केवल ब्रिटिश अत्याचार का प्रतीक नहीं, बल्कि आज के भारत में सत्ता और लोकतंत्र के बीच जटिल रिश्ते का प्रतिबिंब भी है। जनरल डायर द्वारा किए गए नरसंहार ने स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, लेकिन यह भी सिखाया कि जब सत्ता निरंकुश हो जाए और जनता मौन, तो इतिहास रक्त से लिखा जाता है। अगर लोकतंत्र में विरोध को अपराध बना दिया जाए और सवाल उठाने वालों को दबा दिया जाए, तो हम उसी राह पर हैं जहाँ से जलियांवाला बाग जैसी त्रासदियाँ जन्म लेती हैं। हमें शहादत की स्मृति को ज़िंदा रखना होगा — न केवल श्रद्धांजलि के रूप में, बल्कि सतत चेतावनी और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के रूप में। जलियांवाला बाग का संदेश आज भी यही है- सत्ता को सवालों से डरना नहीं चाहिए, बल्कि जवाब देना सीखना चाहिए।

-डॉ सत्यवान सौरभ

13 अप्रैल 1919, अमृतसर। वैसाखी का दिन। हजारों लोग जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे – कुछ रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के लिए, तो कुछ महज़ त्योहार मनाने। तभी ब्रिटिश सेना के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर ने अपनी टुकड़ी के साथ प्रवेश किया, बाग के एकमात्र द्वार को बंद कराया, और बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां चलवा दीं। लगभग दस मिनट में 1650 गोलियां चलाई गईं।

सैकड़ों की जान गई, हजारों घायल हुए। दीवारें खून से लथपथ हो गईं। और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक निर्णायक मोड़ आया। जलियांवाला बाग हत्याकांड सिर्फ एक ऐतिहासिक त्रासदी नहीं थी, वह साम्राज्यवादी दमन की पराकाष्ठा थी। लेकिन आज, 100 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद, हमें खुद से पूछना होगा – क्या जलियांवाला बाग केवल इतिहास की एक दुखद कहानी है, या फिर एक ऐसा आईना है जिसमें आज का लोकतंत्र भी देखा जा सकता है?

जनरल डायर से लेकर आज की सत्ता तक

ब्रिगेडियर जनरल डायर ने इस नरसंहार को "आवश्यक कार्रवाई" बताया था। ब्रिटिश साम्राज्य ने उसे डांटा नहीं, बल्कि कुछ ने तो उसे "असली देशभक्त" भी कहा। यह घटना हमें यह समझाती है कि जब सत्ता को जवाबदेही से मुक्त कर दिया जाता है, तब वह कितनी क्रूर हो सकती है। आज, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज होता है, विश्वविद्यालयों में छात्रों को पीटा जाता है, पत्रकारों को जेल में डाला जाता है, और असहमति को "देशद्रोह" का नाम दे दिया जाता है, तब यह सवाल उठता है – क्या सत्ता की वही 'डायर मानसिकता' आज भी जीवित है?

विरोध और लोकतंत्र▲ एक नाजुक रिश्ता

लोकतंत्र की बुनियाद असहमति पर टिकी होती है। यदि लोग सवाल न करें, आलोचना न करें, और सत्ता से जवाबदेही न मांगें, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे एक सत्तावादी ढांचे में तब्दील हो सकता है। जलियांवाला बाग में निहत्थे लोग मारे गए क्योंकि उन्होंने सवाल उठाए थे। आज अगर सवाल उठाने वालों को "राष्ट्रद्रोही" कहा जाता है, तो क्या हमने वाकई इतिहास से कुछ सीखा है? जब सवाल पूछना गुनाह बन जाए, और सत्ता खुद को "राष्ट्र" घोषित कर दे, तब लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बजती है।

इतिहास को सजावटी न बनाएं

2021 में जब जलियांवाला बाग स्मारक का नवीनीकरण किया गया, तो उस पर तीखी आलोचना हुई। रंगीन लाइटें, सजावटी गलियारे, डिजिटल शो – सब कुछ जैसे शहादत को "इवेंट" में बदलने का प्रयास था।

क्या शहीदों की यादें सेल्फी पॉइंट बन जानी चाहिए?

इतिहास का काम केवल गौरव गान नहीं है, उसका उद्देश्य चेतावनी देना भी है। जब हम अपने अतीत के दर्द को केवल उत्सव में बदल देते हैं, तो हम उस चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं। जलियांवाला बाग का नवीनीकरण एक उदाहरण है कि कैसे हम इतिहास की आत्मा खो सकते हैं, अगर हम केवल उसकी सतह पर सजावट करने लगें।

सत्ता की भाषा बदली है, मंशा नहीं

ब्रिटिश सत्ता ने विरोध को देश के खिलाफ समझा। आज जब हमारे अपने लोकतांत्रिक संस्थान, जनता की आवाज को "असहज" मानकर दबाते हैं, तो वह भी लोकतंत्र का हनन है। इंटरनेट शटडाउन, मीडिया पर नियंत्रण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला – ये सब आधुनिक भारत के "नरसंहार" हैं। फर्क इतना है कि अब बंदूक की जगह डंडा है, और डायर की जगह सिस्टम है। पिछले वर्षों में हुए आंदोलन – जैसे नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन, किसान आंदोलन, और विश्वविद्यालयों में छात्रों के आंदोलनों ने यह दिखाया है कि आज भी जब लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो सत्ता पहले संवाद नहीं करती, बल्कि बल प्रयोग करती है।

सवाल पूछना अपराध नहीं है

जलियांवाला बाग की घटना हमें यह सिखाती है कि सत्ता को चुनौती देना जनता का अधिकार है। और यह अधिकार लोकतंत्र का आधार है। रवींद्रनाथ टैगोर ने इस हत्याकांड के बाद ब्रिटिश सरकार से 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी थी। महात्मा गांधी ने इसे असहयोग आंदोलन की प्रेरणा माना। भगत सिंह ने इसे अपनी क्रांतिकारी चेतना का प्रारंभिक क्षण बताया। आज अगर कोई नागरिक सरकार से सवाल पूछता है, तो वह "राष्ट्रद्रोही" क्यों ठहराया जाता है? क्या राष्ट्र वही है जो सत्ता कहे? या राष्ट्र वह है जो नागरिक मिलकर बनाते हैं?

क्या हम इतिहास को दोहरा रहे हैं?

भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन यह केवल वोट देने से नहीं बनता। यह बनता है पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नागरिक स्वतंत्रताओं से। जब सरकारें सवालों से डरने लगती हैं, मीडिया पक्षपाती हो जाता है, और अदालतें मौन हो जाती हैं – तब लोकतंत्र का दम घुटने लगता है। जलियांवाला बाग में जो हुआ, वह इसी मौन और अन्याय का नतीजा था। आज भी, जब कोई पत्रकार सच उजागर करता है और उसे जेल में डाला जाता है, तो वह भी एक तरह का "नरसंहार" ही है – सत्य का।

हमें क्या करना होगा?

बच्चों को जलियांवाला बाग की कहानी केवल एक अध्याय के रूप में नहीं, बल्कि एक चेतावनी के रूप में पढ़ाई जाए। उन्हें सिखाया जाए कि सवाल पूछना देशभक्ति है, गुनाह नहीं।

हमें असहमति को स्वीकार करना सीखना होगा। अगर कोई नागरिक सरकार की आलोचना करता है, तो उसे देशद्रोही कहना लोकतंत्र की बेइज्जती है। हर सत्ता को यह समझना होगा कि उसका अस्तित्व जनता से है। यदि वह जनता की आवाज को ही दबा दे, तो उसका नैतिक आधार खत्म हो जाता है। जलियांवाला बाग जैसे स्थानों को टूरिस्ट अट्रैक्शन नहीं, राष्ट्रीय चेतना के केंद्र के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए।

शहीदों की चीखें आज भी गूंज रही हैं

जलियांवाला बाग केवल इतिहास का एक काला अध्याय नहीं, बल्कि आज की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में प्रासंगिक चेतावनी है। जब तक सत्ता के सामने सवाल उठाने की स्वतंत्रता नहीं होगी, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम शहीदों की कुर्बानी को केवल दो मिनट के मौन या फूल चढ़ाने तक सीमित न करें। हमें उनका सपना पूरा करना होगा – एक ऐसा भारत जहां सत्ता जवाबदेह हो, नागरिक स्वतंत्र हों, और सवाल पूछना एक अधिकार हो, अपराध नहीं।

जलियांवाला बाग की दीवारें आज भी बोल रही हैं। सवाल यह है कि क्या हम सुन रहे हैं?

इस खास दिन पर आरसी 16 के शीर्षक से उठेगा पर्दा

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, अब राम चरण ने अपनी अगली फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। वह बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के निर्माण में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में चल रही है और टीम जल्द ही तीन सप्ताह के शेड्यूल के लिए दिल्ली जाने वाली है।

इस दिन सामने आएगा फिल्म का शीर्षक फिल्म के शीर्षक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसा लगता है कि निर्माता अब फिल्म के नाम से पर्दा उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के बहुप्रतीक्षित शीर्षक की आधिकारिक घोषणा 27 मार्च, 2025 को की जाएगी। इस दिन राम चरण का जन्मदिन भी है। ऐसे में अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर ही फैंस को खास तोहफा मिलेगा।

फिल्म का टीजर भी होगा जारी

खबर है कि शीर्षक के खुलासे के अलावा बुची बाबू सना एक छोटा सा टीजर भी जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। जान्हवी–राम चरण की साथ में पहली फिल्म हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से निर्मित स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में लिया गया है, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बुची बाबू सना ने फिल्म का टाइटल पेड्डी चुना है, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच राम चरण सार्वजनिक तौर पर कम ही नजर आ रहे हैं, ताकि फिल्म से अभिनेता के लुक का खुलासा न हो। वहीं, अब राम चरण के जन्मदिन के मौके पर ही फिल्म से जुड़ा दिलचस्प अपडेट सामने आने का इंतजार है।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी। श्रुति हासन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें आजमा (लक) और सिनेमा छुपी मां जैसे मशहूर गाने शामिल हैं। साथ ही हाल ही में

अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित फिल्म कुली का हिट गाना डिस्को भी है। काम की बात करें तो, अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक खास डांस नंबर करने के लिए पूजा हेगड़े को चुना गया है। कुली एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर आधारित है। इस फिल्म में नागार्जुन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कथित तौर पर फिल्म में एक गेस्ट रोल में नजर आएंगे।

फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। इस भूमिका में उनके अभिनय को काफी सराहा गया है, जबकि फिल्म में उनके हिस्से बहुत अधिक सींस नहीं थे। वहीं फिल्म में रश्मिका मंदाना ने भी येशूबाई की भूमिका की, जो विक्की कौशल के किरदार संभाजी महाराज की पत्नी हैं। इस किरदार में रश्मिका के अभिनय को कुछ दर्शकों ने पसंद नहीं किया है। रश्मिका की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में दिव्या दत्ता ने उन्हें सपोर्ट किया है।

दिव्या ने किया रश्मिका मंदाना को सपोर्ट, 'छावा' में एक्टिंग को लेकर एक्ट्रेस को मिल रही है आलोचना

दिव्या दत्ता ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा है कि रश्मिका मंदाना की पिछली फिल्में हिट रही हैं, ऐसे में उनमें कोई तो बात होगी कि दर्शक इस तरह का रेस्पॉन्स देते हैं। वह बताती हैं कि रश्मिका बहुत प्यारी लड़की हैं, उनकी आंखें पर्दे पर मन को मोह लेती हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं।

अपने किरदार को लेकर क्या सोचती हैं

अपने किरदार के बारे में दिव्या दत्ता बताती हैं कि मैंने फिल्म 'छावा' में सोयराबाई का रोल किया है, इसके लिए दर्शकों की तरफ से सराहना मिली है। साथ ही कुछ लोगों का कहना है कि मेरे किरदार को लंबा होना चाहिए था। लेकिन सबसे अहम बात है कि हमारी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल रही है।

कई उम्दा कलाकार फिल्म में हैं शामिल

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, दिव्या दत्ता के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर सिंह, डायना पेंटी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही औरंगजेब के रोल में अक्षय खन्ना और कवि कलश के रोल में विनीत कुमार नजर आए हैं। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा है।

हॉलीवुड डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं प्रनूतन बहल

प्रनूतन बहल, जो दिवंगत एक्ट्रेस नूतन की पोती और मोहनीश बहल की बेटी हैं, जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म कोको & नट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ एक्टर रहसान नूर भी होंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक कहानी पर आधारित है और 2025 में रिलीज होगी। प्रनूतन के लिए हॉलीवुड डेब्यू एक बड़ा अवसर है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है और यह एक पूरी तरह से रोमांटिक फिल्म है। मेरी पहली फिल्म 'नोटबुक' भी रोमांटिक थी, लेकिन उसमें मेरा मेल लीड से उतना इन्वॉल्वमेंट नहीं था। लेकिन इस बार यह पूरी तरह रोमांटिक लव स्टोरी है और मुझे इसे करने का मौका लंबे इंतजार के बाद मिला। 2023 के अंत में, मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया और हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उम्मीद है कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा ये मेरे लिए सिर्फ 'हॉलीवुड डेब्यू' नहीं, बल्कि एक नए एक्सपीरियंस का मौका है। मेरी सोच हमेशा से सिंपल रही है – कोई भी प्रोजेक्ट करो, उसे पूरे दिल और मेहनत से करो। चाहे हिंदी सिनेमा हो, तेलुगु इंडस्ट्री हो या हॉलीवुड, क्रिएटिव फील्ड में असली पहचान आपकी भाषा से नहीं, आपकी परफॉर्मेंस से बनती है। जब आप सच्चाई और ईमानदारी से कोई किरदार निभाते हैं, तो वो स्क्रीन पर दिखता है। यही सबसे जरुरी चीज है।

जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक बनाएंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी जॉन अब्राहम के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म मुंबई के एक मशहूर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है। रोहित शेट्टी इस फिल्म को जल्द ही फ्लोर पर ले जाने का विचार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित का लक्ष्य 45–डे स्टार्ट–टू–फिनिश शेड्यूल में फिल्मांकन पूरा करना है, जिसका प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। जॉन फिल्म में राकेश मारिया का किरदार निभाएंगे, जिनके करियर की पहचान 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों और 26/11 के आतंकी हमलों जैसे बड़े मामलों से रही है। राकेश मारिया के संस्मरण लेट मी से इट नाउ पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक ड्रामा होगी।

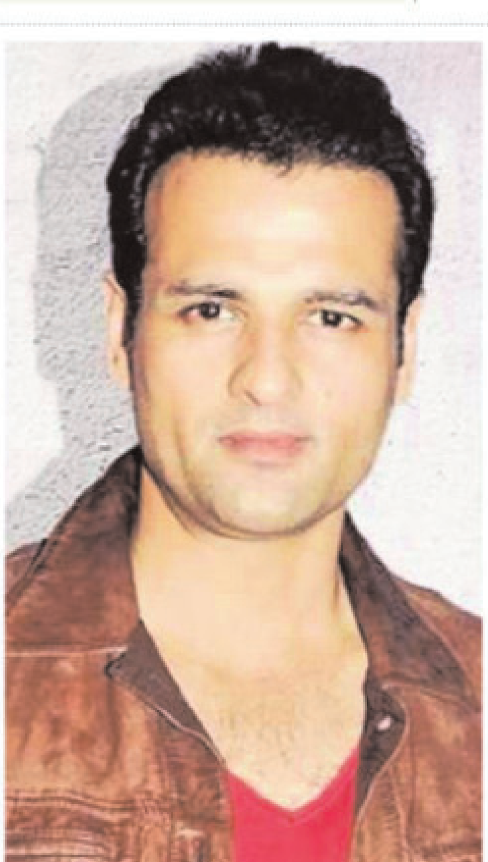

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं।

हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

हिना के लिए फैंस ने की दुआ

रोहित के पोस्ट पर हिना के फैंस के खूब कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स अभिनेत्री के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत दिल वाले लोग ऐसे ही होते हैं, जिंदगी उनकी परीक्षा लेती है। एक यूजर ने लिखा, मुस्कुराना कोई हिना से पूछे। हिना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल के दिनों में गृहलक्ष्मी शो में देखा गया।

अल्फा की तैयारी करती नजर आई शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। शरवरी वाघ फोटोज में रस्सी से एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है जल्द ही अल्फा के लिए जंग की तैयारी। शरवरी जल्द ही अल्फा फिल्म में नजर आने वाले हैं, वह इसकी तैयारी कर रही हैं। शरवरी हाल ही में मुंजया में नजर आई थीं। उनका गानातरस नी आया काफी मशहूर हुआ।

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता.... दलितों व पिछड़ो के मसीहा... समाज सुधार के प्रेरक...

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल , 1891 – 6 दिसंबर, 1956) एक भारतीय विधिवेत्ता थे। वे एक बहुजन राजनीतिक नेता, और एक बौद्ध पुनरुत्थानवादी होने के साथ साथ, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे। उन्हें बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म एक गरीब अस्पृश्य परिवार मे हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने अपना सारा जीवन हिंदू धर्म की चतुवर्ण प्रणाली, और भारतीय समाज में सर्वव्यापित जाति व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष में बिता दिया। हिंदू धर्म में मानव समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया है। उन्हें बौद्ध महाशक्तियों के दलित आंदोलन को प्रारंभ करने का श्रेय भी जाता है। बाबासाहेब अम्बेडकर को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

कई सामाजिक और वित्तीय बाधाएं पार कर, आंबेडकर उन कुछ पहले अछूतों मे से एक बन गये जिन्होंने भारत में कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। आंबेडकर ने कानून की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विधि, अर्थशास्त्र व राजनीतिक विज्ञान में अपने अध्ययन और अनुसंधान के कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से कई डॉक्टरेट डिग्रियां भी अर्जित कीं। आंबेडकर वापस अपने देश एक प्रसिद्ध विद्वान के रूप में लौट आए और इसके बाद कुछ साल तक उन्होंने वकालत का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने कुछ पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जिनके द्वारा उन्होंने भारतीय अस्पृश्यों के राजनैतिक अधिकारों और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉ. आंबेडकर को भारतीय बौद्ध भिक्षु ने बोधिसत्व की उपाधि प्रदान की है।

प्रारंभिक जीवन

भीमराव रामजी आंबेडकर का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी मऊ में हुआ था।[1] वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं व अंतिम संतान थे।[2] उनका परिवार मराठी था और वो अंबावडे नगर जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे, और उनके पिता,भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

कबीर पंथ से संबंधित इस परिवार में, रामजी सकपाल, अपने बच्चों को हिंदू ग्रंथों को पढ़ने के लिए, विशेष रूप से महाभारत और रामायण प्रोत्साहित किया करते थे। उन्होंने सेना मे अपनी हैसियत का उपयोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से शिक्षा दिलाने मे किया, क्योंकि अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद आंबेडकर और अन्य अस्पृश्य बच्चों को विद्यालय मे अलग बिठाया जाता था और अध्यापकों द्वारा न तो ध्यान ही दिया जाता था, न ही कोई सहायता दी जाती थी। उनको कक्षा के अन्दर बैठने की अनुमति नहीं थी, साथ ही प्यास लगने प र कोई ऊँची जाति का व्यक्ति ऊँचाई से पानी उनके हाथों पर पानी डालता था, क्योंकि उनको न तो पानी, न ही पानी के पात्र को स्पर्श करने की अनुमति थी। लोगों के मुताबिक ऐसा करने से पात्र और पानी दोनों अपवित्र हो जाते थे। आमतौर पर यह काम स्कूल के चपरासी द्वारा किया जाता था जिसकी अनुपस्थिति में बालक आंबेडकर को बिना पानी के ही रहना पड़ता था। 1894 मे रामजी सकपाल सेवानिवृत्त हो जाने के बाद सपरिवार सतारा चले गए और इसके दो साल बाद, अम्बेडकर की मां की मृत्यु हो गई। बच्चों की देखभाल उनकी चाची ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाये। अपने भाइयों और बहनों मे केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल मे जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम फ्रअंबावडेफ्र पर आधारित था।

रामजी सकपाल ने 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई)चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।[3] पढ़ाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, अम्बेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद अम्बेडकर ने बंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारत में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये। उनकी इस सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी , और बाद में एक सार्वजनिक समारोह उनका सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृषणजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें महात्मा बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। अम्बेडकर की सगाई एक साल पहले हिंदू रीति के अनुसार दापोली की, एक नौ वर्षीय लड़की, रमाबाई से तय की गयी थी।[3] 1908 में, उन्होंने एलिफिंस्टोन कॉलेज में प्रवेश लिया और बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से संयुक्त राज्य अमेरिका मे उच्च अध्ययन के लिये एक पच्चीस रुपये प्रति माह का वजीफा प्राप्त किया। 1912 में उन्होंने राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार की नौकरी को तैयार हो गये। उनकी पत्नी ने अपने पहले बेटे यशवंत को इसी वर्ष जन्म दिया। अम्बेडकर अपने परिवार के साथ बड़ौदा चले आये पर जल्द ही उन्हें अपने पिता की बीमारी के चलते बंबई वापस लौटना पड़ा, जिनकी मृत्यु 2 फरवरी 1913 को हो गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई में, उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब, अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली, और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को डॉ अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की, और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बॉबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन आयोग 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये, और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

संविधान निर्माण

अपने विवादास्पद विचारों, और गांधी और कांग्रेस की कटु आलोचना के बावजूद अम्बेडकर की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी जिसके कारण जब, 15 अगस्त, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार अस्तित्व मे आई तो उसने अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को, अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के इस काम मे अपने सहयोगियों और समकालीन प्रेक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इस कार्य में अम्बेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बहुत काम आया।

संघ रीति मे मतपत्र द्वारा मतदान, बहस के नियम, पूर्ववर्तिता और कार्यसूची के प्रयोग, समितियाँ और काम करने के लिए प्रस्ताव लाना शामिल है। संघ रीतियाँ स्वयं प्राचीन गणराज्यों जैसे शाक्य और लिच्छवि की शासन प्रणाली के निदर्श (मॉडल) पर आधारित थीं। अम्बेडकर ने हालांकि उनके संविधान को आकार देने के लिए पश्चिमी मॉडल इस्तेमाल किया है पर उसकी भावना भारतीय है।

अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पाठ मे संवैधानिक गारंटी के साथ व्यक्तिगत नागरिकों को एक व्यापक श्रेणी की नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा प्रदान की जिनमें, धार्मिक स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत और सभी प्रकार के भेदभावों को गैर कानूनी करार दिया गया। अम्बेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की वकालत की, और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए सिविल सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों की नौकरियों मे आरक्षण प्रणाली शुरू के लिए सभा का समर्थन भी हासिल किया, भारत के विधि निर्माताओं ने इस सकारात्मक कार्यवाही के द्वारा दलित वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के उन्मूलन और उन्हे हर क्षेत्र मे अवसर प्रदान कराने की चेष्टा की जबकि मूल कल्पना मे पहले इस कदम को अस्थायी रूप से और आवश्यकता के आधार पर शामिल करने की बात कही गयी थी. 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद, बोलते हुए, अम्बेडकर ने कहा ः

मैं महसूस करता हूं कि संविधान, साध्य (काम करने लायक) है, यह लचीला है पर साथ ही यह इतना मज़बूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों के समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में, मैं कह सकता हूँ कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था।

1951 मे संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया इस मसौदे मे उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। हालांकि प्रधानमंत्री नेहरू, कैबिनेट और कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इसका समर्थन किया पर संसद सदस्यों की एक बड़ी संख्या इसके खिलाफ़ थी। अम्बेडकर ने 1952 में लोक सभा का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें संसद के ऊपरी सदन यानि राज्य सभा के लिए नियुक्त किया गया और इसके बाद उनकी मृत्यु तक वो इस सदन के सदस्य रहे।

देश में अलग-अलग जाति नहीं सिर्फ इंसान रहें

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें- यही चाहते थे डा. अंबेदकर।

स्वतंत्रता प्राप्ति में बड़े-बड़े नेताओं की अपनी भूमिका रही है, लेकिन सामाजिक न्याय के संदर्भ में डा. भीमराव अंबेदकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। डा. अंबेदकर का जीवन संघर्षों का एक सफरनामा है। इतने पढ़े-लिखे होने के बावजूद एक गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कांशीराम और मायावती जैसे राजनेताओं ने दलितों के आंदोलन को नई दिशा देने का ह्रश्वयास किया। काफी हद तक वे कामयाब भी रहे, लेकिन अंबेदकर का दृष्टिकोण इनसे पृथक था। उन्होंने अपने विचार और कार्यशैली से किसी भी स्तर पर दलित समाज को जो दिया, वैसा योगदान राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखते हुए कोई नहीं दे सकता। वे चाहते थे कि भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें।

अंतत: डा. अंबेदकर का संघर्ष रंग लाया। दलित कामयाबी की राह पर अग्रसर हुआ। शिखर पर पहुंचा, लेकिन धीरे-धीरे दलित आंदोलन में भटकाव आया। वह सामाजिक परिवर्तन को ताक पर रखकर समानता, भाईचारा और दलित आंदोलन को भूल बैठा और अवसरवादी समझौते करते हुए टुकड़ों में बंटता गया। इसके बावजूद दलित स्वर मुखर एवं देश की भागीदारी में शिखर स्वर है। अभी भी दलितों में राजनीतिक इच्छाशा त का अभाव है। अन्य वर्गों की दलितों के प्रति सहानुभूति कभी परिलक्षित नहीं हुई। आज का दलित नेतृत्व भी मनोवैज्ञानिक पीड़ा, सामाजिक शोषण, आर्थिक दुर्दशा और मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। ऐसे में कैसे अपेक्षा करें कि दलित अपनी अस्मिता को बचाकर रख सकता है? दलित अलग अलग प्रतिध्रुव बना रहे हैं। दलित ही आपस में कई फाकों में विभ त हैं, योंकि आज की विषम परिस्थितियों में दलित नेतृत्व के पास न तो वैचारिक सोच है, न ही सामाजिक ढांचे को मापदंड में लाने का पैमाना जो डा. अंबेदकर की सोच को अंजाम दे सके। अंग्रेजों के शासनकाल में देश में 2000 जातियां थीं। इस कारण नेतृत्व में डा. अंबेदकर सबल थे। आज जातियां बंटकर 4000 हो गई हैं। कहने का भाव यह है कि उतने ही संवेग में दलितों को संघर्ष करना होगा, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। इसीलिए अंबेदकर चाहते थे कि देश में जाति न रहे, इंसान रहे। फरवरी 1933 में इंग्लैंड के गार्जियन समाचार पत्र और अमरीका के न्यूयार्क टाइ स के प्रतिनिधि भारतीय नेताओं का इंटरव्यू लेने आए। गांधी, जिन्ना और डा. अंबेदकर ने उन्हें मिलने का अलग-अलग समय दिया। रात्रि नौ बजे से 11 बजे के बीच समय दिए जाने के बावजूद गांधी और जिन्ना सोए हुए मिले। दो बजे दोनों संवाददाता डा. अंबेदकर के पास पहुंचे। उन्होंने प्रश्न किया कि आप इतनी रात तक जाग रहे हैं, जबकि गांधी और जिन्ना तो हमें सोए हुए मिले। डा. अंबेदकर ने बड़े ही सहज भाव से उत्तर दिया कि वे सोए हुए हैं, क्योंकि उनका समाज जाग रहा है और मैं इसलिए जाग रहा हूं क्योंकि मेरा समाज सोया हुआ है। वे अनभिज्ञ हैं, वे उनकी तरह जागरूक नहीं हैं। कहने का आशय है कि डा. अंबेदकर के विचारों के अनुकूल दलित नेतृत्व को नई दिशा देने वाला सही कर्णधार अभी दलितों में नहीं आ सका है। डा. अंबेदकर ने अपनी भोगी हुई पीड़ा से दलितों को दूर रखा। वे स्कूल में पढ़ नहीं सके, लेकिन दलितों को शिक्षा के अधिकार दिलाए। जो उन्होंने महसूस किया, उससे दलितों को दो-चार नहीं होने दिया लेकिन अंबेदकर को मानने वालों से कैसा व्यवहार किया जाता है, यह सर्वविदित है। डा. अंबेदकर का कहना था कि हमारा राष्ट्र हजारों जातियों में बंटा हुआ है, इसलिए हम एक राष्ट्र नहीं हो सकते। जब तक वर्णवादी व्यवस्था, जातिवाद कायम है, दलितों का उत्पीड़न एवं अत्याचार कम नहीं हो सकते। इसी मुद्दे पर उन्होंने गांधी से बड़ी मुश्किल से समझौता किया।

अंबेदकर की सोच थी कि संगठित होकर ही दलित सरकार बना सकते हैं, क्योंकि सुखभोगी सभी वर्ग अलग-अलग धर्मों में विभ त हैं। आज भी अनुसूचित वर्ग संगठित नहीं है, इसलिए तीसरी ताकत का गठन नहीं हो पा रहा है। कांशीराम के प्रयासों से दलित न केवल सत्ता में आए, बल्कि राष्ट्र की मुज्यधारा में भी शामिल हो गए, लेकिन उनके मु ि त के द्वार नहीं खुले। यही कारण है कि दलित वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में व्याप्त अंतर्विरोधों को कम नहीं कर सका और कष्ट भोगने को मजबूर है। बाबासाहब अंबेदकर ने दलितों को शिक्षा, संगठन और संघर्ष का नारा दिया। डा. अंबेदकर को कानूनमंत्री से नवाजे जाने का श्रेय केवल उनकी काबिलियत को जाता है। उन्हें जहां भी अवसर मिला वह दलित विकास की संरचना लागू करते गए। चाहे वह समय गोलमेज परिषद का हो, संविधान निर्माण की बात हो या गांधी से टकराव हो। वे जानते थे कि किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर वे दलितों का विकास नहीं कर सकते। आज भी दलित निष्ठावश डा. अंबेदकर का दिली स मान करते हैं किंतु वोट दूसरी पार्टी को देते हैं। दलित इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल यह ब्राह्मणवादी और दलित गठबंधन सभी को दिखाई देगा। इसलिए वे न तो बसपा को वोट देते हैं, न मायावती को, वे तो बाबा साहब के अहसानों को चुकाने के लिए विवश हैं। डा. अंबेदकर द्वारा निर्मित प्रावधानिक संविधान के उपभोग करने के बाद दलितों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उनका समाज कहां है, इसलिए दलित राजनीति दिशाहीन हो गई है।

बौद्ध धर्म मे परिवर्तन

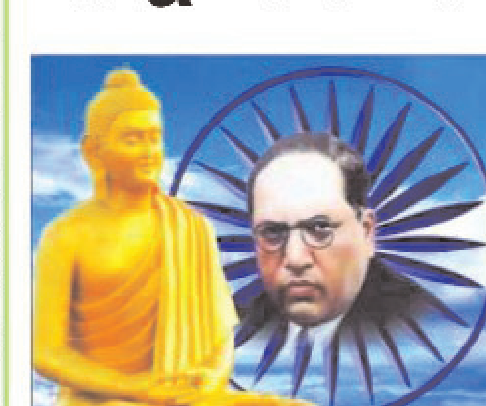

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका(तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं, और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे।[9] 1954 में अम्बेडकर ने बर्मा का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने भारतीय बुद्ध महासभा या बौद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम लेख, द बुद्ध एंड हिज़ धम्म को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया. अम्बेडकर ने एक बौद्ध भिक्षु से पारंपरिक तरीके से तीन रत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार लगभग 500000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया।[9] नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने हिंदू धर्म और हिंदू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

डा बी.आर. अम्बेडकर ने दीक्षा भूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,15 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं.800000 लोगों का बौद्ध धर्म में रूपांतरण ऐतिहासिक था क्योंकि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक रूपांतरण था.उन्होंने इन शपथों को निर्धारित किया ताकि हिंदू धर्म के बंधनों को पूरी तरह पृथक किया जा सके.ये 22 प्रतिज्ञाएँ हिंदू मान्यताओं और पद्धतियों की जड़ों पर गहरा आघात करती हैं. ये एक सेतु के रूप में बौद्ध धर्म की हिन्दू धर्म में व्याप्त भ्रम और विरोधाभासों से रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं.इन प्रतिज्ञाओं से हिन्दू धर्म,जिसमें केवल हिंदुओं की ऊंची जातियों के संवर्धन के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया, में व्याप्त अंधविश्वासों, व्यर्थ और अर्थहीन रस्मों, से धर्मान्तरित होते समय स्वतंत्र रहा जा सकता है.

भाजपा स्थापना सप्ताह बैठक सम्पन्न, पार्टी की रीति व नीति के बारे में चर्चा

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। भारतीय जनता पार्टी विराटनगर शहर मंडल की भजपा स्थापना सप्ताह के संदर्भ में बस स्टैंड स्थिति भगवान हनुमानजी की बगीची पर भाजपा की बैठक का आयोजन हुआ,कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थापना दिवस कार्यक्रम के जिला संयोजक एवं जयपुर जिला देहात उत्तर के उपाध्यक्ष गिरिराज शर्मा, सह संयोजक दीपक शर्मा, जयपुर जिला देहात उत्तर की उपाध्यक्ष रानी रत्ना कुमारी रहे । कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों को भाजपा के दुपट्टे से सुसज्जित कर स्वागत किया गया, सर्वप्रथम दीपक शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते जयपुर जिला देहात उत्तर में हुए विविध कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला,एवं तत्पश्चात जिला उपाध्यक्ष रत्ना कुमारी ने भाजपा संगठन की रितिनितियो पर प्रकाश डाला,एवं सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर भाजपा संगठन को और मजबूत करने पर विचार व्यक्त किया, तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयोजक गिरिराज शर्मा ने भाजपा संगठन की स्थापना का कैसे उदय हुआ, कैसे संगठन 2 सीट से 3 और आज 300 सीट पार कर चुका है, और आज भाजपा दुनिया सबसे बडा राजनीतिक दल बन चुका है,गिरिराज ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है आगे उन्होंने बताया कि सभी कार्यकर्ता एक परिवार के सदस्य हैं और सबको मिलकर संगठन को मजबूती से आगे बढ़ाना है, और आगे बताया कि संगठन में साधारण सा कार्यकर्ता भी संगठन में ऊंचे से ऊंचे पद पर पहुँच सकता है,और कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया,कार्यक्रम में भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम के संयोजक सत्यनारायण सैनी,सह संयोजक जगदीश दायमा, सह संयोजक दीपेश चौबे,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भगीरथ सैनी, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि फूलचंद सैनी, मंडल उपाध्यक्ष गणपत शर्मा, मंडल महामंत्री छाजूलाल जांगिड़,पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक जैन,पूर्व मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सैनी,पूर्व पार्षद सुभाष योगी,पार्षद बंशीधर सैनी,सुरेंद्र शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष हेमराज सैनी, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अजय जैन, सांवर मल, बालसिंह, ओमप्रकाश सैनी, रामकरण छावडी,भैरू पोषवाल, बंटी चौधरी, रूपेंद्र शर्मा,पूर्व जिला मंत्री नंदकिशोर छिपा, कैलाश वर्मा,सीताराम शर्मा, राजू ठेकेदार, महेश टेलर, अविनाश शर्मा सहित अनेको कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

फुलेरा में सामाजिक समरसता की मिसाल बना रक्तदान शिविर

अंबेडकर और फुले जयंती पर एससी/एसटी रेलवे एसोसिएशन ने किया आयोजन, युवाओं ने दिखाया जोश

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के पावन अवसर पर ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन, शाखा फुलेरा द्वारा रविवार को रेलवे कम्युनिटी हॉल में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबा साहब की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एल. बैरवा, जोनल कोषाध्यक्ष घासीराम नरेडिया और विनोद मीना विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का पारंपरिक स्वागत माला, साफा और दुपट्टा पहनाकर किया गया। एसोसिएशन के प्रेमचंद वर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी जयंती समारोह के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय युवाओं, रेलवे कर्मचारियों और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान की प्रक्रिया प्रातः 9 बजे प्रारंभ हुई और देर तक चली। शिविर में युवाओं का जोश और सहभागिता देखते ही बनती थी, जिसने सामाजिक समरसता और सेवा भावना की एक प्रेरणादायी मिसाल पेश की।

भंडारा कार्यक्रम को लेकर 7 गांवों के लोगों की बैठक का हुआ आयोजन, अगली बैठक 4 मई को

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। कस्बे के निकटवर्ती नीलका मंदिर परिसर में रविवार को नीलक धाम संत महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज , मोहनदास जी महाराज,ओमकार दास जी के सानिध्य में चादरपोशी कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। रामदास जी महाराज ने बताया कि 7 मई को ब्रह्मलीन महंत रामधन दास महाराज की चादरपोशी कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में ग्रामीणों ने कार्यक्रम को लेकर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किया। वही सुझाव लेकर ग्राम पंचायत वाइज जिम्मेदारी सौंपी गई।वहीं महाराज रामदास ने बताया कि 4 मई को अगली मीटिंग का आयोजन होगा।मीटिंग आयोजन के अंतर्गत 7 ग्राम पंचायत के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान पूर्व प्रधान सुवालाल यादव, पूर्व सरपंच भागीरथ मल यादव,केरली सरपंच रामजी लाल यादव, बागावास अहिरान सरपंच प्रतिनिधि रामेश्वर प्रसाद यादव, भाबरु सरपंच शशिकांत शर्मा,अनिल शर्मा, गैसकान सरपंच रोशन सेनी,रामेश्वर, अर्जुन सिंह, रामसिंह, उदय सिंह, महेश सैनी, हरसहाय गुर्जर,सोहनलाल अग्रवाल ,शंभू दयाल, ओम प्रकाश सैनी, सांवरमल व्यास, सोहनलाल व्यास,शंकर दत्त भारद्वाज ,जयनारायण पटेल सहित आने को लोगों ने इस मीटिंग में हिस्सा लिया।

डॉ दीपक माथुर एफएसीडीआई अवार्ड से होंगे सम्मानित

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। किशनपुरा निवासी एसएमएस मेडिकिल अस्पताल के स्कीन रोग विभाग के एचओडी किशनपुरा विराटनगर निवासी डॉ दीपक माथुर को एफएसीडीआई अवार्ड से शिलांग मे 18 अप्रेल को सम्मानित किया जाएगा। वही अनेकों ग्रामीणों ने बताया कि डॉ माथुर ने किशनपुरा के नाम को पूरे देश मे ऊंचा किया है।

जिलेभर में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन आज

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 14 अप्रैल को जिलेभर में "आयुष्मान आरोग्य शिविरों" का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 'आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर' (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) पर आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2018 में शुरू की गई योजना की सातवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आमजन को सुलभ, निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि शिविर में रोगियों का पंजीकरण किया जाएगा। हाइपरटेंशन, डायबिटीज, टीबी और सिकलसेल जैसे रोगों की स्क्रीनिंग होगी। 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के अंतर्गत 'आभा आईडी' बनाई जाएगी। आवश्यक दवाइयां और जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। ज़रूरत होने पर टेली-कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की परामर्श सेवाएं दी जाएंगी। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के लिए जागरूक कर योजना में पंजीकरण किया जाएगा।

अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में युवाओं ने किया रक्तदान

कोटपूतली(निस)। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को कस्बा स्थित जीवन डाता ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अमित कुमावत, हेमचंद सैनी, दिनेश आर्य व राकेश समेत अन्य युवाओं ने बढ़-चढकर रक्तदान करते हुये कुल 11 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

भंसाली परिवार के सानिध्य में दड़े वाले बालाजी मंदिर में मनाया भव्य जन्मोत्सव

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। अपने इष्ट के प्रति जब आस्था अनन्त हो तो दूरी मायने नहीं रखती। हम बात कर रहे हैं नरैना के माहेश्वरी समाज के भंसाली परिवार की, जिनके पूर्वज व्यापार के सिलसिले में इंदौर जाकर बस गए। इंदौर जाकर बसने के बाद भी भंसाली परिवार कभी अपने इष्ट व जड़ों से दूर नहीं हुआ ओर लगातार अपने इष्ट व जड़ों से जुड़ा रहा। स्व. कृष्णदास भंसाली ने वर्ष 2002 में श्री दड़े वाले बालाजी मंदिर का जीर्णोद्धार कर मंदिर का आधुनिक रूप से नवनिर्माण कराकर नियमित पूजा-आरती के लिए पुजारी की नियुक्ति की। मंदिर निर्माण के साथ ही यहां आकर्षक बाग का निर्माण भी करवाया गया। मुकेश भंसाली ने बताया कि पहले वो अपने पिता के साथ नरैना आते थे लेकिन अब उनके देवलोकगमन के पश्चात वो अपने परिजनों के साथ वर्ष में लगभग पांच छः बार नरैना आते हैं। भंसाली परिवार ने अपने इष्ट श्री दड़े वाले बालाजी का जन्मोत्सव ठीक उसी अंदाज में मनाया जैसे कोई समृद्ध परिवार अपने छोटे बालक का जन्मदिन मनाता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर के गर्भगृह सहित निज मंदिर की कृत्रिम फूलों से विशेष नयनाभिराम सजावट की गई। वहीं निज मंदिर सहित गर्भगृह, राम दरबार, दुर्गा माता मंदिर की रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा रहा था। सुबह मुकेश-ब्रजेश-मेहूल भंसाली द्वारा पारंपरिक वस्त्र धारण कर पंडित महेश दाधीच के मंत्रोच्चारण के साथ बालाजी का दूध से अभिषेक कर विशेष श्रृंगार-तिलक कर सुगंधित फूलों का मोटा गजरा पहनाकर प्रसाद का भोग लगाया। सांयकाल भक्तों की उपस्थिति में बैंड-बाजे की मधुर स्वरलहरियों व भव्य आतिशबाजी के साथ महाआरती का आयोजन हुआ। महाआरती के पश्चात बूंदी का प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान राजेश गट्टाणी, गोपालप्रसाद-रमेशचंद मोदानी, रमेशचंद-नन्दकिशोर-जुगलकिशोर परवाल, रघुनंदन-दीपक तेला, रघुनंदन मालू, बसंत राठी, राजेश मंत्री सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

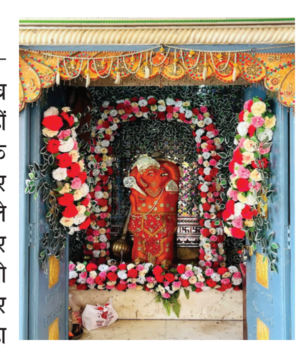

ओलावृष्टि, बेमौसमी वर्षा से प्रभावित किसानों के लिए जरूरी सूचना

फसल में नुकसान पर 72 घंटे में दें सूचना, मिलेगा बीमा मुआवजा

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत रबी 2024-25 के लिए राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार बीमित फसलों को मध्यावधि में होने वाली आपदाओं के जोखिमों पर क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। कहीं पर भी ओलावृष्टि या अतिवृष्टि से नुकसान होने पर किसानों को 72 घंटे के अंदर सूचना देनी जरूरी है। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सवाई माधोपुर राकेश कुमार अटल ने बताया कि जिले में 12 अप्रेल को बेमौसमी वर्षा/ओला वृष्टि/तेज हवाओं से रबी फसलों में खराबा हुआ है ।अधिसूचना के अनुसार फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु रखी गई, कटी फसल में चक्रवात, चक्रवाती वर्षा, बेमौसमी बरसात अथवा ओला वृष्टि से नुकसान होने पर फसल में क्षति का आंकलन व्यक्तिगत स्तर पर किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि बीमित कृषक जिनके कटी हुई फसल में नुकसान हुआ है वह फसल नुकसान की सूचना आपदा घटित होने के 72 घंटे के भीतर सीधे बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 18001809519 या हेल्पलाइन नंबर 14447, भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल , क्रॉप इंश्योरेंस एप अथवा लिखित रूप में अपने बैंक, कृषि विभाग के अधिकारी या जिला पदाधिकारी के माध्यम से आवश्यक रूप से सूचित करें, जिससे उनका सर्वे कर फसल मुआवजा दिलाने की कार्यवाही की जा सके। यदि फसल नुकसान की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने में कृषक को किसी प्रकार की समस्या आती है तो वह नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय अथवा तहसील स्तर पर कार्यरत बीमा कंपनी प्रतिनिधि से भी संपर्क कर सकते हैं। किसानों से अपील है कि वे अपनी बैंक पासबुक (जिसमें बीमा प्रीमियम कटा हो), नवीनतम जमाबंदी तथा आधार कार्ड की छायाप्रति एकत्रित कर नुकसान की जानकारी संबंधित बीमा कंपनी को उपलब्ध कराएं। समय पर सूचना दें, मुआवजा पाएं - सुरक्षित रहें।

आसरो बालाजी म्हाने थारो, थे कष्ट निवारो म्हारो....

धोली सती दादी मंदिर में गुंजी भजनों की स्वर लहरियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चैत्र पूर्णिमा के उपलक्ष में हनुमान जन्मोत्सव के तहत स्थानीय धोली सती दादी मंदिर में विकास नाथ महाराज के सानिध्य में भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया गया। विद्यानाथ महाराज ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने आसरो बालाजी म्हानै थारो, 64 जोगनी मंदरिये रमजा, आकाशनाथ महाराज ने ना स्वर है ना सरगम है, मां मंगल की मूल भवानी सरणा तेरा है, बलिहारी-बलिहारी म्हारे सतगुरु ने बलिहारी, किशन नाथ महाराज ने ऊंचे पहाड़ों वाली, भारत का रहने वाला हूं भारत की बात सुनाता हूं सहित अनेक मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित स्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न मठों के संतों का सातड़ा परिवार के विजय कुमार सातड़ेवाला, हरी प्रसाद, लालचंद, जगदीश प्रसाद, कमल, राजकुमार, जगन्नाथ ने माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में दिनेश शर्मा, राजेंद्र ठठेरा, मनफुल चौधरी, हरी मोहता, वैध राजेश शर्मा, मनोहर शर्मा, इंद्र पुरोहित, ब्रह्मदत्त शर्मा, गोविंद महनसरिया सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व शहर के नागरिक उपस्थित रहे। विजय कुमार सातड़ेवाला ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय सैन मंदिर हरसौरा धाम के चुनाव सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) अखिल भारतीय सैन मंदिर, हरसौरा धाम पर रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर हरसौरा धाम कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न करवाये गये। श्री नारायणी सेना अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया का अध्यक्ष अवधेश सैन जयपुर वाले को बनाया गया। इस मौके पर 51 हजार रूपये सैन महाराज की भेंट स्वरूप प्राप्त हुये। इस दौरान पुरानी कार्यकारिणी सदस्यों का इस्तीफा लिया गया। समिति सचिव राधेश्याम सैन ने गत वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। जिसके बाद नवीन कार्यकारिणी की चुनाव प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। जिसमे सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष संजय सैन को चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा की मेरा उद्धेश्य समाज को मुख्य धारा में लाना एवं समाज में सद्भावना कायम कर समाज हित के प्रति समर्पित एवं निष्ठा से कार्य करना है। इस दौरान खैरथल प्रधान राकेश सैन, कैलाश सैन, मास्टर प्यारेलाल सैन, हरीश सैन, संजय सैन खेडक़ी, हव. नरेश सैन खैरथल,भामाशाह कृष्ण सैन, रामनिवास, सुनील सैन बहरोड़, आनन्द सैन ज्ञानपुरा, शिम्भुदयाल सैन नांगल चौधरी, गैतसिंह किशनगढ़, उमेद मास्टर भोजावास, सतीश सैन समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत घंटियाल बड़ी, पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक :- G.P. GHANTIYAL BADI/2025-26/E-TENDER/02-11 दिनांक :- 09.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26

ग्राम पंचायत घंटियाल बड़ी में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्तें www.eproc.rajasthan.gov.in पर व www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIB No.- ZCR2526A0046 तथा UBN No.- ZCR2526GLOB00137 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत घंटियाल बड़ी
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत घंटियाल बड़ी
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत सारंगसर, पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक :- G.P. SARANGSAR/2025-26/E-TENDER/01-10 दिनांक :- 09.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26

ग्राम पंचायत सारंगसर में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्तें www.eproc.rajasthan.gov.in पर व www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIB No.- ZCR2526A0049 तथा UBN No.- ZCR2526GLOB00153 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सारंगसर
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत सारंगसर
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

ग्राम पंचायत ढढेरू भामूवान,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक- JHADHERU BHAMUWAN/2025-26 / E-TENDER/01 - 04 दिनांक- 04-04-25

ई-निविदा सूचना संख्या / 2025-26

ग्राम पंचायत ढढेरू भामूवान में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है । निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www. eproc. rajasthan. gov.in पर व www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526A0021 तथा UBNNo. -ZCR2526GLOB00037 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ढलेरू भामूवान
पंचायत समिति बीदासर चरू

प्रशासक
ग्राम पंचायत ढलेरू भामूवान
पंचायत समिति बीदासर चरू

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
14 अप्रैल, 2025

देश में लव जिहाद बन रहा नासूर

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। नंदीशाला में आयोजित पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा रविवार को एक दिन के विश्राम के बाद प्रशासन स्वीकृति मिलने पर पुन शुरू हुई है। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि सनातन धर्म को समाप्त करने के लिए कुछ लोगों ने बेटी, चोटी व रोटी पर प्रहार किया है। अपने को समझना चाहिए कि हम अपने धर्म के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि आज देश में लव जिहाद नासूर बनता जा रह है। बेटियों को ऐसे संस्कार आत्मसात करने चाहिए कि वो चांदी की खनक को नजर अंदाज करते हुए अपने माता-पिता के स्वाभिमान को कभी भी निचा नहीं होने दे। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने शिवमहापुराण कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में कितना भी बड़ा संकट व रोग आ जाए, यदि वह भगवान शंकर के सानिध्य में चला जाता है, तो उसके समस्त कष्ट समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने व्यासपीठ से विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए पत्रों का वाचन करते हुए पीड़ित लोग, जो भगवान शंकर की पूजा-अर्चना से

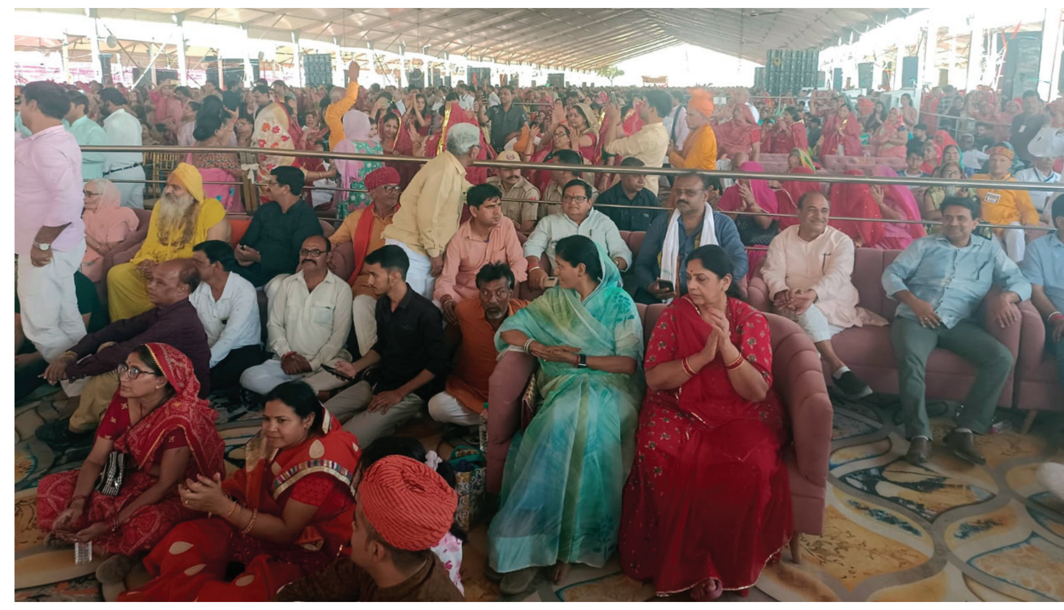

स्वस्थ हुए हैं, उनका सम्मान भी किया। उन्होंने कहा कि आप चाहे कितने भी अशुद्ध व पापी हो, लेकिन भगवान शंकर की पूजा-अर्चना करने से सभी पाप व कष्ट दूर होते हैं। आयोजक दिनेश लाहोटी, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि सहित आयोजक परिवार के सदस्यों ने व्यासपीठ की पूजा-अर्चना की। कथा स्थल पर शहर सहित विभिन्न क्षेत्रों से 35 हजार से अधिक श्रद्धालु उपस्थित रहकर पंडित मिश्रा की कथा का श्रवण किया। उल्लेखनीय रहे कि 11 अप्रैल से बिना प्रशासनिक स्वीकृति के शुरू हुई कथा के बाद अंधड़ व बारिश की वजह से कथा स्थल पर अव्यवस्थाएं होने के बाद प्रशासन ने कथा आयोजन को निरस्त कर दिया था। उसके बाद आयोजकों ने व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने का काम शुरू किया और शनिवार को कथा में इसके चलते विराम देना पड़ा। व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के बाद आयोजन समिति ने पुन प्रशासन के समक्ष अनुमति के लिए प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र मिलने के बाद एसडीएम ने विभिन्न विभागों को कथा स्थल पर सुविधाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विभागों से रिपोर्ट मिलने के बाद प्रशासन ने आयोजक व पूर्व विधायक महर्षि की ओर से प्रमाणित शपथ पत्र लेने के बाद 19 बिंदुओं में विभिन्न निर्देशों का उल्लेख करते हुए कथा के आयोजन के लिए अनुमति आदेश जारी किया और तहसीलदार सज्जन कुमार लाटा को एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त करते हुए विभिन्न विभागों को व्यवस्थाएं सुचारू रखने के निर्देश दिए। वहीं आयोजनकर्ताओं को अनुमति में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आयोजन के तहत किसी भी प्रकार की अव्यवस्थाएं हुई, तो स्वीकृति को निरस्त समझा जाए।

पत्रकार गणेश सैनी को जयपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले सम्मान

जयपुर टाइम्स

बड़ागांव/झुंझुनू(निस)। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान विद्याधर नगर (जयपुर) में आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में बड़ागांव के पत्रकार गणेश सैनी को राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी, पिलानी विधायक पितराम सिंह काला, चौमूं विधायक शिखा मील बराला, धौलपुर शोभा रानी कुशवाहा, चौमूं पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी व सैनी समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुभव चंदेल आदि ने महात्मा ज्योतिबा फुले सम्मान 2025 अवार्ड से नवाजा गया। इस मौके पर सैनी समाज बड़ागांव अध्यक्ष मोहन लाल सैनी, करणी राम दहिया मुंबई, एडवोकेट सुनील सैनी जयपुर व पूर्व बैंक मैनेजर बहादुर मल सैनी आदि ने बधाई दी है।

धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय श्री माली सैनी समाज संस्थान राजलदेसर में समाज बन्धुओं की ओर से जयंती पर महात्मा ज्योतिबा राव फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। उनके किए गए समाज सुधारक कार्यों को याद किया। उनके बताए गए पथ पर चलने के लिए महात्मा फूले का जयकारा लगाकर उपस्थित समाज सदस्यों सहमति दी। इस अवसर पर मोहनलाल महावर, नथमल सैनी,जयचंद महावर,संजय महावर,श्रवण गौड शंकर खडोलिया,तेजाराम सांखला, महेश सैनी, कमल कटारिया,पवन तंवर,दीनदयाल खडोलिया, बजरंग खडोलिया आदि उपस्थित रहे।

जिले की मांग को लेकर निकाली ध्वज यात्रा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर जनहित संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं न ने ठरडा स्थित पाबूजी मंदिर तक ध्वज यात्रा निकाली है। लगातार 1177 दिनों से चल रहे हैं धरना स्थल से लेकर ठरडा स्थित मंदिर तक जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार मेघवाल के नेतृत्व में ध्वज यात्रा निकाली गई और सुजानगढ़ को जिला बनाने की अरदास की गई तथा पाबूजी के दरबार में जिले की मांग को लेकर नारेबाजी की गई। इस दौरान महिलाओं ने पाबूजी महाराज के भजन भी गाए। नारेबाजी के दौरान तेजपाल गोदारा, एडवोकेट बनवारीलाल बिजारणिया, सिराज खान कायमखानी, ओमप्रकाश डूडी, जगदेव बेड़ा, सदीक मणियार, दीनदयाल गुलेरिया, ललित स्वामी, महबूब बड़गुजर, लियाकत खिची, जितेंद्र भार्गव, गजानंद प्रजापत, पवन पारीक, राजेंद्र बैदी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हनुमान जयंती पर धार्मिक आयोजन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में हनुमान जयंती पर मन्दिरों में धार्मिक आयोजन हुए। इसी क्रम में के प्राचीन मेहन्दीपुर बालाजी मंदिर में हनुमान जयंती मनाई गई।भक्तो का मन्दिर में सुबह से ही तांता लगा रहा। सिद्धपीठ श्री मेहन्दीपुर बालाजी मंदिर में सुबह पुजारी राजूराम ने की बाबा की ज्योत की।भक्तो ने केक का भोग लगाया। मन्दिर परिसर में सैकड़ों भक्तों की अपार भीड़ रही। शाम को बाबा का हवन पंडित श्याम सुंदर पारीक के सानिध्य में यजमान चोरूलाल फोगला ने सपत्नीक हवन किया गया। जिसमें सेंकड़ों माता बहनो भाईयो ने आहुति दी गई।

अखंड ज्योत है अपार माया श्याम देव की प्रबल छाया

श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से फटकारो मोरछड़ी कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से रविवार को नागवानों के नोहरे में श्याम अखंड ज्योत पाठ का 11वां भव्य उत्सव फटकारो मोरछड़ी कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। राघव चौधरी व कृष्णा चौधरी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। इस दौरान कोलकाता के पाठ वाचक विनोद ने अखंड ज्योत है अपार माया श्याम देव की प्रबल छाया सहित अनेक भजनों के माध्यम से संगीतमय पाठ का वाचन किया। इस अवसर पर बाबा श्याम के दरबार का ड्राई फ्रूट व विशेष प्रकार के फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम में इत्र वर्षा, अखंड ज्योत व छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। श्याम पाठ में प्रसंग के दौरान शिव आराधना, बारात स्वागत, भीम विवाह, कन्यादान, श्याम जन्मोत्सव की नृत्य नाटिकाएं सभी के आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण ने भी शिरकत कर खाटू नरेश से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान महिला-पुरूषों के लिए पाठ में बैठनें की अलग से व्यवस्था की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ समिति के पदाधिकारी व श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती समारोह आज

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। डॉ अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान ब्लॉक उदयपुरवाटी के सानिध्य में डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष में सात बत्ती चौक पर सुबह 9 बजे जयंती समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

अम्बेड़कर जयन्ती पर कार्यक्रम आज

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा नगर कांग्रेस की ओर से सोमवार को सुबह नौ बजे फतेहपुर बस स्टैण्ड स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर डा. अम्बेड़कर जयन्ती पर विचार गोष्ठी और पुष्पाजंलि कार्यक्रम पूर्व चैयरमैन सज्जन मिश्रा की अध्यक्षता में होगा। यह जानकारी नगर पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी ने दी।

सांसी समाज के अध्यक्ष जयराज भाट रतनगढ़ दौरे पर

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राष्ट्रीय सांसी समाज के अध्यक्ष जयराज भाट प्रदेश के 14 दिवसीय दौरे पर है, जिसके अंतर्गत रविवार को वे रतनगढ़ पहुंचे। प्रथम बार क्षेत्र के दौर पर आए राष्ट्रीय अध्यक्ष का सांसी बस्ती स्थित बाबा रामदेव मंदिर में प्रदेशाध्यक्ष गुलाबचंद सांसी के नेतृत्व में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जयराज ने कहा कि वंचित समाज को एकजूट कर शिक्षा के क्षेत्र में सांसी समाज को बढ़ाने और समाज में फैली कुरीतियों को त्यागकर हम सबको आगे बढ़ना चाहिए। इसके पश्चात व तहसील व सुजानगढ़ के विभिन्न गांवों में पहुंचकर समाज के लोगों से संपर्क किया। इस दौरान भाट ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रदेश संरक्षक पद पर प्रेमचंद बीदावत, जिला संरक्षक गंगाराम मालावत, सालासर प्रधान भंवरलाल मालावत, मलसीसर प्रधान जगदीशप्रसाद मालावत, महिला विंग की जिला सचिव पद पर मंजूदेवी बीदावत को नियुक्त किया है। इस अवसर पर किशनलाल सांसी, शिवकरण सांसी, धर्मचंद सांसी, महिपालसिंह सांसी, दलीप सांसी, मोहनलाल सांसी, सोहनलाल सांसी, भींवाराम सांसी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार वठुसाहित्यकार माणक मणि मोट को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

झुझुनू(निस)। वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार लेखक माणक मणि मोट जिन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों में कार्य किया और सेवानिवृत्ति के बाद अनेक यादगार पुस्तकें लिखी। गत 10 अप्रेल को उनका देहावसान हो गया जिसको लेकर झुझुनूँ नागरिक मंच के तत्वावधान में राणी सती रोड स्थित तुलस्यान बंशल सेवा सदन सभागार में उनकी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न संगठनों व समाज के लोगों ने भाग लेकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।नागरिक मंच व कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि माणक मणि मोट का जन्म चूरू जिले में हुआ, लालन पालन जोधपुर में व कार्यस्थली झुझुनू रही। यहाँ से उनका विशेष लगाव रहा कि अंतिम समय तक यही रहे। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उनके साथ बिताए अनेक प्रसंग साझा किए। संचालन रामगोपाल महमिया ने किया। इस अवसर पर अमेरिका प्रवासी समाज सेवी डॉक्टर घासीराम वर्मा,भाजपा ज़िलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, नगर मण्डल अध्यक्ष एव जिला प्रवक्ता कमल कान्त शर्मा, पूर्व सभापति खालिद हुसैन, पी आर ओ हिमांशु सिंह, बालविकास अधिकारी विप्लव न्यौला, समाज कल्याण अधिकारी पवन पुनिया, डॉ संजय कटेवा, ख्वाजा आरिफ, मनोज सिंह, उमर कुरेशी, डॉ वीरेंद्र, डॉ शीशराम डुडी, रविंद्र पब्लिक स्कूल के नरेंद्र सिह झाझड़िया, स्टार अकैडमी के अख्तर अली गहलोत, प्रिंस एकेडमी के गुलजारी कालेर, पूर्व नगरपरिषद आयुक्त राजेंद्र जोशी, पवन देरवाला, शिवचरण पुरोहित, रामनिवास सोनी, अनिल जांगिड़, चंद्र प्रकाश धुपीया, पवन सैनी, पार्षद चंद्र प्रकाश शुक्ला, विजय सैनी, संजय पारिक, संजय मोरवाल, राजकुमार मोरवाल, महेश कुमार जीनगर, डॉ डी एन तुलस्यान , गौ सेवा दल के प्रवीण स्वामी, वशिष्ठ शर्मा, कैलाश सिंघानिया, रघुनाथ पोद्दार, देवेंद्र खत्री, जयराज जांगिड़, चंद्र प्रकाश धूपिया, सुभाष योगी, सुरेश तिवारी, रामनिवास सैनी, पवन सैनी, किशन लाल छक्कड़, विजय गोपाल, अरुण कसवा, हरिकिशन शुक्ला, अनिल जोशी, संजय शुक्ला, संजय मोरवाल, टीकेएन फायर, रघुनाथ पोद्दार, प्रदीप अग्रवाल, उत्तम जोशी, विकास चाहर, शिवकुमार शर्मा शिव प्रिंटर्स, शिवकुमार पुरोहित सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर के दानपात्र से राशि चोरी, आरोपी को 12 घंटे में किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं के बगड़ थाना इलाके के गांव नूनिया गोठड़ा में हनुमान मंदिर से दानपात्र से राशि को चोरी कर लिया गया। घटना के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने चोर को पकड़ लिया। पीड़ित की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यह सफलता हासिल की। जानकारी के अनुसार कुम्हारों की ढाणी, नूनिया गोठड़ा के निवासी 76 वर्षीय हरिराम पुत्र महादाराम कुमावत ने स्थानीय थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। हरिराम कुमावत ने बताया कि जब मैं

सुबह घूमने निकला तो मंदिर में स्थापित दानपात्र को टूटा हुआ पाया। इसी दौरान सुनील (29) उर्फ सेठी पुत्र भागीरथ निवासी कुम्हारों की ढाणी को दानपात्र से पैसे निकालते हुए देखा। जब आरोपी को आवाज दी तो वह तुरंत मौके से भाग गया। भागने की हड़बड़ी में उसकी झोली से कुछ पैसे नीचे गिर गए, जबकि शेष राशि वह अपने साथ ले जाने में सफल रहा। शिकायत मिलने के बाद थानाधिकारी ने तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस ने घटना के केवल 12 घंटे के भीतर ही आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ जारी है। आरोपी ने कुछ और वारदातें करना कबूल किया है। जिनकी पुलिस गहनता से जांच कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इस पूछताछ से इलाके में हुई अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है।

सूर्य भगवान मंदिर से जीण भवानी मंदिर तक निकाली चूनड़ी यात्रा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय सूर्य भगवान मंदिर से बिजारणियां बास स्थित जीण भवानी मंदिर तक श्रद्धालुओं की ओर से चुनरी यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम संयोजक सूर्य भगवान मंदिर पुजारी रामावतार शर्मा ने बताया कि सूर्य भगवान मंदिर से रवाना हुई यात्रा में एक सौ आठ मीटर लम्बी चुनड़ी लेकर श्रद्धालु रवाना हुए, जो डीजे की धुनों पर नाचते गाते हुए बिजारणियां बास स्थित जीण भवानी मंदिर पंहूचे। माताजी के मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं की ओर से चुनड़ी माताजी को अर्पित की गई। यात्रा में इंद्र चंद खडोलिया, भागीरथ राम बिजारणिया, करणी राम बिजारणिया, राजकुमार भाटी, गोपाल बासनीवाल, मदन बिजारणिया, मुन्ना लाल बिजारणिया, मनफूल बिजारणिया, मुन्ना लाल प्रजापति, कानाराम बिजारणिया, प्रहलाद भाटी सहित अनेक श्रद्धालुगण शामिल हुए।

हनुमान जी के जीवन से मिलती है सच्चाई की प्रेरणाः पारीक

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। होटल हरिटेज में स्थापित संकट मोचक मन्दिर में सामुहिक हनुमान चालीसा व महाआरती का पाठ हुआ। आयोजन की शुरुआत सुबह मंगला आरती से हुआ। विशेष अभिषेक का कार्यक्रम हुआ। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष अरविन्द पारीक ने विशेष पूजा-अर्चना की। इस मौके पर पारीक ने हनुमान जी के तीन प्रमुख गुणों की व्याख्या की। उन्होंने श्रद्धा, शक्ति और सेवा के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि हनुमान जी की भगवान राम के प्रति भक्ति, समर्पण और विनम्रता सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति वह शक्ति है जो व्यक्ति को ऊंचाइयों तक ले जाती है। हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि सच्ची शक्ति विनम्रता में, सच्चा नेतृत्व सेवा में और सच्चा ज्ञान श्रद्धा में होता है। साथ ही बाली और सुग्रीव प्रसंग के विभिन्न पहलुओं से भी श्रद्धालुओं को अवगत करवाया। उक्त धार्मिक कार्यक्रम ने हमें एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव दिया है, जहां हम अपनी व्यस्त दिनचर्या से हटकर हनुमान जी की भक्ति में लीन हो सके। उनके उपदेश हमें साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जो न केवल अच्छे नेतृत्व की पहचान हैं, बल्कि एक सहानुभूतिपूर्ण और एकजुट समाज के निर्माण में भी सहायक हैं। जहां श्रद्धालु भगवान हनुमान की दिव्य शिक्षाओं में और गहराई से प्रेरणा ले सकेंगे। कार्यक्रम में अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। अन्त में प्रसाद वितरण किया गया।

बाजीसर में हनुमान प्रकटोत्सव मनाया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गांव बाजीसर के त्रिमूर्ति बालाजी धाम में बालाजी महाराज का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा साथी मौजूद रहे। इसी दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा, पुजारी पवन शर्मा, नारायण लाल जांगिड़, राजकुमार खीचड़, रामकुमार बिरडा, हरपाल बिरडा,नरेंद्र डोटासरा, जयप्रकाश कुल्हरी, शक्ति कुमार, रोहित कुमार, बाबूलाल कुमार, छोटेलाल सैनी, पवन सैनी, महिलाओं में आशा देवी, सुमन देवी, रुकमा देवी, भगवती देवी, सुभिता देवी, बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

नेत्रदान जागरूकता के लिए मैराथन दौड़, बड़ी संख्या में भरे लोगों ने नेत्रदान के संकल्प पत्र

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के प्राणनाथ हॉस्पिटल एवं तेरापंथ युवक परिषद के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को समाज में नेत्रदान जनजागृति के लिए प्राणनाथ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें हर आयु वर्ग के पुरुष तथा महिला प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में सफेद टीशर्ट और कैप पहनकर दौड़ लगाई। मैराथन दौड़ को पद्म भूषण देवेंद्र झाझडिया, पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सारण, सभापति राजकरण चौधरी, पूर्व विधायक अशोक पींचा, थानाधिकारी मदनलाल विश्नोई, कुलाधिपति कनकमल दूगड़, जीवीएम अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ आदि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन दौड़ नेहरू पार्क ताल मैदान से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए प्राणनाथ हॉस्पिटल पहुंची। जहां सभा के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभा के दौरान डॉ अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का बालगृह के बच्चों की ओर से तिलकार्चन और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मंचस्थ अतिथियों ने आयुर्वेद कॉलेज में देहदान करने वाले जगदीश प्रसाद जी इंसा व कॉमरेड भगत सिंह, नेत्रदानी पूजा देवी दूगड़, कांता देवी बुच्चा, लूणकरण बोथरा, ममता दफ्तरी, संतोष कुमार मालू आदि के चित्रों पर अतिथियों की ओर से पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान सभी अथितियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्रदान संकल्प पत्र भरकर नेत्रदान का संकल्प लिया। इसी क्रम में सभा को संबोधित करते हुए कनकमल दूगड़ ने नेत्रदान का महत्व बताया और स्वयं के देहदान की घोषणा की। देवेंद्र झाझडिया ने मैराथन के धावकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में फिट रहना सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए युवा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो तथा अपने आप को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हुए नियमित तैयारी करें। नियमित तैयारी ही आपको देश का हीरो बनाएगी। इसी क्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सभा को संबोधित करते हुए नेत्रदान को सबसे महान कार्य बताया और युवाओं को रोज दौड़ने के लिए कहा तथा फिट इंडिया फिट राजस्थान का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में देहदान एवं नेत्रदान करने वालों के परिजनों को सम्मानित किया गया। मैराथन दौड़ में 60 वर्ष की उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ओमप्रकाश भाकर का सम्मान किया गया। मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान मोहनलाल पुत्र राजेश कुमार, द्वितीय जसवंत पुत्र पूर्णाराम, तृतीय अर्जुन नाथ पुत्र होशियारनाथ, चतुर्थ सुभाष स्वामी पुत्र सुंदर दास स्वामी, पांचवा कन्हैयालाल पुत्र आदुराम ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। तेयूप अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने इस मैराथन आयोजन के प्रेरक विनोद कर्वा सहित सभी का अतिथियों व धावकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उप प्रधान केसरी शर्मा, मधुसूदन राजपुरोहित, हंसराज सिद्ध, रणजीत बुच्चा, राजेश पारीक, मुरलीधर सैनी, लालचंद मुंड, ईश्वर राम डूडी, सुरेश वर्मा, शिवभगवान सैनी, डॉ बनवारीलाल शर्मा, सुरेश तिवाड़ी, राजेन्द्र मोदी, तेजपाल चौधरी, सत्यनारायण झाझडिया, रामावतार जांगिड़, अयूब खान, हरलाल सरपंच जैतसीसर, मुकेश जोशी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन संजय प्रजापत ने किया।

14 दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव का समापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के ताल मैदान स्थित मेघराज रामगोपाल चांडक परिवार की ओर से स्थापित प्राचीन बुंगली पर चल रहे 14 दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव का समापन शनिवार को संत चिमानाथ महाराज के साथ श्री श्याम दिवाने सकीर्तन मण्डल द्वारा ताली कीर्तन के साथ किया गया। संयोजक देवीप्रसाद मिमानी, ललित लखोटिया, पुजारी महावीर प्रसाद ने बताया कि इस अवसर पर बालाजी की ज्योति, दरबार की सजावट, पुष्प श्रृंगार, चूरमा प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में समाजसेवी देवीप्रसाद मिमानी, ललित लखोटिया, प्रकाश सुरेखा, अजय मुंदरा, रोहित चांडक, आशीष पारीक, सुधीर शर्मा, सोनू सोनी, रवि मारोठीया, कान्हा स्वामी, कृष्ण कर्वा, बसंत सोमानी, विष्णु मीना, गजानंद मिमानी, शांतिलाल सुथार, रामलाल मारोठीया, राधेश्याम जांगिड, ओम प्रकाश कडेल, भगवती लखोटिया के साथ मातृ शक्ति एवं शिवशंकर शर्मा, श्याम सुंदर पेड़ीवाल, कैलाश मिमानी सहित बुंगली बालाजी के भक्तों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। बुंगली भक्त मण्डल, विश्वकर्मा मंदिर समिति, भोजक साउंड, श्याम रंगीला मण्डल, श्याम दीवाने मण्डल और सभी बालाजी भक्तों का मंदिर कमेटी ने आभार व्यक्त किया।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड की भानीपुरा पुलिस की ओर से हत्या के प्रयास प्रकरण में एक नामजद व रैकी की करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की हैं। भानीपुरा थानाधिकारी रायसिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में 3 अप्रैल को कैलाश पुत्र गिरधारी लाल जाट निवासी भामासी पुलिस थाना दुधवाखारा ने पर्चा बयान दिया कि देवीलाल निवासी बंधनाउ, मूलचंद भूकर निवासी सरदारशहर, मेघनाथ सिद्ध निवासी बीकमसरा, जेपी हुड्डा निवासी खींवासर ने

मुझे वह मेरे साथी कमेरसिंह को जान से मारने की नीयत से लाठी व सरियों से मारपीट की। जिस पर थाने में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान एएसआई राजेंद्र कुमार ने किया। उपरोक्त मुकदमा के अनुसंधान व घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहे थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए भानीपुरा पुलिस की टीम की ओर से आरोपियों की तलाश में जगह-जगह दबिश देकर भरकस प्रयास किए जाने के बाद उपरोक्त नामजद आरोपी सत्यनारायण उर्फ जेपी हुड्डा पुत्र मेघाराम जाट उम्र 31 साल निवासी खींवासर पुलिस थाना भालेरी व रेंकी करने वाले हनुमान मल पुत्र बीरबलराम जाट उम्र 25 साल निवासी अड़मालसर पुलिस थाना सरदारशहर को गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त दोनों से हत्या करने के प्रयास में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में पुलिस पूछताछ कर अनुसंधान करेगी। आरोपियों को गिरफ्तार करने में एएसआई राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार, दीपिका आदि की भूमिका रही हैं।

विज्ञान व कला से संबंधित मॉडलों की प्रदर्शनी आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय श्री भंवरलाल काला बाल मंदिर स्कूल में विज्ञान व कला से संबंधित विभिन्न मॉडलों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विधायक मनोज मेघवाल ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके पश्चात विधायक मनोज मेघवाल, सभापति नीलोफर गौरी, विद्यालय सचिव सुनील जैन, भामाशाह पवन तोदी, यंग्स क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा, दानमल भोजक, विमल पाटनी, बजरंग सैन के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने एक से बढ़ कर एक शानदार मॉडलों को प्रदर्शित किया। विधायक मनोज मेघवाल ने विद्यार्थियों की हौंसला अफजाई की। प्रदर्शनी में इसरो जर्नी, नदी प्रदूषण, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 जयपुर-अजमेर हाईवे, रोबोट, सुजानगढ़ की प्रसिद्ध धरोहर घंटाघर, भंवरलाल काला बाल मंदिर, इंडिया गेट, राम मंदिर, भूकंप अलार्म सिस्टम, लिफ्ट, ए.सी., कूलर, पंखे, पवन चक्की, नेवी शिप, पी.एच. व लिटमस पेपर टेस्ट सहित अनेक मॉडलों को प्रदर्शित किया गया। मॉडल व प्रोजेक्ट तैयार करने में विद्यालय स्टाफ के सदस्यों का सहयोग रहा। विद्यालय की निर्देशिका श्वेता जैन के निर्देशन में प्रधानाचार्य अनिल सैनिक, उप प्रधानाचार्य मीनाक्षी सोनी, अर्चना सैनी, शिवशरण सिंह सहित विद्यालय स्टाफ के सदस्यों ने प्रदर्शनी की व्यवस्थाओं में अपना योगदान दिया। प्रदर्शनी का संचालन दीपिका ने किया।

मोतियाबिंद जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर

148 मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के लायंस क्लब सरदारशहर डायमंड व अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क मोतियाबिंद जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर गोविंद पारीक पत्रकार की स्मृति में सावित्री देवी पत्नि गोविन्द पारीक की प्रेरणा से उनके सुपुत्र कमल पारीक व विमल पारीक के स्थानीय सौजन्य से अर्जुन क्लब राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगाया गया। शिविर का शुभारंभ सावित्री देवी पारीक, ओमप्रकाश पारीक, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, गिरधारीलाल पारीक, कमल पारीक, विमल पारीक ने फीता काटकर किया। शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर की नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ शांभवी व उनकी टीम ने 439 मरीजो की जांचकर 148 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया। मीडिया प्रभारी अंजना भोजक ने बताया कि सभी चयनित 148 मरीजों को बस से जयपुर ले जाया गया। पिछले मार्च माह कैंप के ऑपरेशन किए 149 मरीजों को नेत्र जांच के बाद चश्मे भेंट किए गए। शिविर को सफल बनाने में लायन अनिल गोयल, सुशील भोजक, आसकरण सोनी, किशोर भारद्वाज, बनवारीलाल जांगिड़, डॉ पूनमचंद भाटी, राशिद बेहलीम, महेंद्र निर्वाण, मुबारक तुगलक, देवचंद सोनी, सुभाष जांगिड, घनश्याम बोचीवाल, सागर झेड्डू, सुमन कंवर, गिरधारीलाल शर्मा, फूसदास, गंगाराम जांगिड़, अयूब आगीवान ने सहयोग किया।

नाबालिग को नशीली दवा देकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड की भानीपुरा पुलिस ने विशेष अभियान खुशी के तहत थाने पर दर्ज मुकदमे में कार्रवाई करते हुए नाबालिक को नशीली दवा पिलाकर ले जाने वाले युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। भानीपुरा थाना अधिकारी ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में 1 अप्रैल को भानीपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट प्राप्त हुई कि आरोपी दुर्गाराम पुत्र जगदीश नायक निवासी जैतसीसर मेरी भतीजी को नशे की दवाई पिलाकर ले गया है। जिस पर भानीपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कर थानाधिकारी राय सिंह की ओर से अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार गुमशुदा में अप्रहत नाबालिकों की तलाश हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान खुशी के तहत जिला स्तर पर अभियान की प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्णा सामरिया व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल के निर्देशन में तथा डीएसपी सरदारशहर रामेश्वरलाल सारण के सुपरविजन में भानीपुरा थानाधिकारी राय सिंह के नेतृत्व में महिला अपराध के गंभीर प्रकरण में अप्रहत नाबालिक को दस्तयाब करने व आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एएसआई राजेंद्र कुमार मय पुलिस टीम की ओर से प्रकरण में अप्रहत नाबालिक को दस्तयाब किया गया। बाद अनुसंधान नाबालिक को परिजनों के सुपूर्द किया गया। प्रकरण में आरोपी दुर्गाराम पुत्र जगदीश नायक उम्र 19 साल निवासी जैतसीसर को पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में आरोपी को पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। नाबालिक को दस्तयाब करने व आरोपी को गिरफ्तार करने में भानीपुरा पुलिस टीम में थाना अधिकारी राय सिंह, एएसआई राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल धर्मपाल व दीपिका की विशेष भूमिका रही हैं।

शिक्षण संस्थान के नाम पर कृषि भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाने का मामला दर्ज

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर में शिक्षण संस्थान के नाम पर भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाने को लेकर थाने में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस के अनुसार सुशील कुमार शर्मा निवासी वार्ड 27 तारानगर ने थाने में रिपोर्ट दी कि उमाशंकर शर्मा निवासी वार्ड 28 तारानगर, पवन कुमार शर्मा निवासी वार्ड 29 तारानगर, सूरज देवी निवासी वार्ड 29 तारानगर व भंवरलाल शर्मा निवासी ढाणी कुम्हारान, मां सीता देवी शिक्षण संस्थान तारानगर के पदाधिकारी व सदस्य बने हुए है। चारों ने तारानगर के जनता व विद्यार्थियों से धोखाधड़ी कर उनके रुपए ऐंठने की नीयत से गलत दस्तावेज तैयार कर उक्त संस्थान के नाम से बीएड व एसटीसी संस्थान खोलने के लिए तारानगर चंगोई सड़क पर शिक्षण संस्थान के नाम से कृषि भूमि का फर्जी रजिस्ट्रेशन करवा लिया। आरोपियों पियों ने ने सभी सभी क कार्यालय के फर्जी दस्तावेज तैयार कर विभिन्न कार्यालयों की फर्जी मोहर लगाकर कागजातों पर कार्यालय के अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर किए। दूसरी तरफ अभी तक उक्त भूमि पर संस्थान का कोई भवन नहीं बना है। तहसीलदार, पटवारी, पंचायत समिति व पीडब्ल्यूडी के किसी भी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी कभी मौके पर जा कर संस्थान का प्रमाणीकरण भी नहीं किया। आरोपियों ने लोगों से धोखाधड़ी करने की नीयत ने फर्जी दस्तावेजों से संस्थान के नाम पर भूमि का अपने नाम फर्जी तरीके से रजिस्ट्रेशन करवा लिया।

लैंस प्रत्यारोपण शिविर 20 को

सुजानगढ़ (नि.सं.)। द् यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ की ओर बढ़ लालचंद टमकू देवी पाटनी की पुण्य स्मृति में उनके पुत्रों प्रकाशचन्द, बिमल कुमार पाटनी के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन 20 अप्रैल को किया जाएगा। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि द् यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ में आयोजित होने वाले इस शिविर में डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से नेत्र रोगियों की निःशुल्क जांच कर उचित परामर्श दिया जाएगा और मोतियाबिंद के आपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जाएगा। चयनित नेत्र रोगियों के निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से निःशुल्क किए जाएंगे।

सामाजिक समरसता दिवस का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की उपशाखा सुजानगढ़ ने राजकीय पीसीबी उमा विद्यालय में संघ के सामाजिक सरोकार के तहत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के पूर्व दिवस पर सामाजिक समरसता दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के उपशाखा अध्यक्ष कमल कुमार जाखड़ ने की। संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष रामेश्वरलाल खीचड़ ने वर्तमान समय में सामाजिक समरसता के महत्व को रेखांकित करते हुए बाबा साहेब विचारों को प्रासंगिक व समाज को जोड़ने वाला बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रणवीर सिंह महरिया ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षक समाज को सामाजिक व लोकहित के कार्यक्रमों में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करनें का आव्हान किया। पप्पूराम मीणा ने बाबा साहेब से जुड़े कुछ प्रसंग बताते हुए उनके जीवन का सारगर्भित परिचय देते संघ की ओर से समय समय पर किए जा रहे सामाजिक सरोकार के कार्यों को बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। शिक्षक तिलोकचन्द रेगर ने बाबा साहेब से जुड़े एतिहासिक तथ्यों का हवाला देते कहा हम सभी संगठित होकर समाज उत्थान के कार्य करें। पूर्व उपशाखा अध्यक्ष अब्दुल सत्तार पड़िहार ने अध्यापन के दौरान ही विद्यार्थियों को समानता व सामाजिक सद्भाव के महत्व के बारे में बताने की आवश्यकता पर बल देते हुए संघ से जुड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं व शिक्षक संगठनों के बारे में बताते हुए संघ की ओर से हर स्तर पर शिक्षा व शिक्षक से जुड़े कार्यों पर प्रकाश डाला। उपशाखा मंत्री मनोज शर्मा ने सामान्य नागरिकों, मजदूर-किसान और महिलाओं के हित के लिए डॉ. अम्बेडकर की ओर से किए गए कार्यो के सम्बन्ध में बताया। संचालन अशोक अत्रि ने किया। इस अवसर पर धनराज सिंगोदिया, सन्तोष स्वामी, हरिकेश बाकोलिया, रामलाल डूडी, गोवर्धनलाल जान्दू, अरविन्द मेघवाल, विवेक बेदी, नरेश कुमार अरोड़ा, अक्षय मिश्रा, मानव भारती, विपिन कुमार, मनोज छरंग आदि कई शिक्षक उपस्थित रहे।

सुक्षेम आरोग्य विहार का शिलान्यास कल, तैयारियां पूरी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती ठरड़ा में 250 करोड़ की लागत से 3 सौ पलंगों की क्षमता वाले सुक्षेम आरोग्य विहार मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का शिलान्यास 15 अप्रैल को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल करेंगे। कार्यक्रम में राजस्थान के उप मुख्य मंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित कई मंत्री भी शामिल होंगे। अखिल भारतीय सांगलिया धूणी पीठाधीश्वर श्री श्री 108 ओमदास महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए सुक्षेम फाउण्डेशन के ट्रस्टी के सी मालू ने बताया कि समारोह में चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, नगरीय विकास और आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके राजेंद्र सिंह राठौड़ अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जबकि क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल, नगरपरिषद की सभापति निलोफर गौरी बतौर मेजबान उपस्थित रहेंगे। फाउण्डेशन के संरक्षक श्रीमती शायर और हीरालाल मालू के साथ उपाध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती, महामंत्री राजेंद्र दाधीच, कोषाध्यक्ष अनिल जैन, विजयसिंह डोसी, अनिता चौरड़िया, यशवन्त बाफना मौजूद रहेंगे।

सुक्षेम फाउण्डेशन बनाएगा भवन और सरकार करेगी अस्पताल का संचालन

ट्रस्टी केसी मालू ने बताया कि अस्पताल के लिए पिछले वर्ष जयपुर में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में सुक्षेम फाउण्डेशन और राजस्थन सरकार के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। जिसके तहत सुक्षेम फाउण्डेशन जन सहयोग से अस्पताल भवन का निर्माण करवाएगा और इसका संचालन राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। सुक्षेम फाउण्डेशन लीनन बदलने और साफ-सफाई आदि की जिम्मेदारी भी निर्वहन करेगा। मालू ने बताया कि अस्पताल के लिए सुक्षेम फाउण्डेशन ने 57 बीघा भूमि आवंटित करवाकर राज्य सरकार के चिकित्सा विभाग के साथ एमओयू किया है, जिसके अनुसार वर्ष 207 तक अस्पताल भवन तैयार करवाकर राज्य सरकार को सुपुर्द कर दिया जाएगा। इस अस्पताल के संचालन से सुजानगढ़ और आस-पास के क्षेत्र की 10 लाख की आबादी को अत्याधुनिक चिकित्सकीय सेवाएं मिल सकेगी।

राज्य अनुसूचित जाति वित्त व विकास आयोग अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नायक आज से चूरू दौरे पर

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त व विकास आयोग अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नायक सोमवार से चूरू दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोग अध्यक्ष 14 अप्रैल को दोपहर 1 बजे जयपुर से प्रस्थान कर सांय 4 बजे सालासर पहुंचेंगे। सालासर में पूजा अर्चना व दर्शन कर सुजानगढ़ से ताल छापर पहुंचेंगे और ताल छापर वन विभाग गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 15 अप्रैल को सवेरे 9 बजे ताल छापर से प्रस्थान कर सवेरे 10 बजे सुजानगढ़ पहुंचेंगे। सुजानगढ़ में सुक्षेम फाउंडेशन की ओर से प्रस्तावित सुक्षेम आरोग्य विहार के शिलान्यास समारोह में सम्मिलित होंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे सुजानगढ़ से प्रस्थान कर ताल छापर पहुंचेंगे और दोपहर 2.30 बजे तालछापर में वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जनसुनवाई करेंगे व ताल छापर वन विभाग गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 16 अप्रैल को सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में जनसुनवाई करेंगे और ताल छापर वन विभाग गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 17 अप्रैल को सवेरे 09 बजे ताल छापर से प्रस्थान कर सवेरे 10 बजे चूरू पहुंचकर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करेंगे और सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 18 अप्रैल को पार्टी संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ मुलाकात/चर्चा करेंगे व सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 19 अप्रैल को सवेरे 8 बजे चूरू से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्लास्टिक का दुरुपयोग रोकने के लिए जागरुकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल, बिसाऊ में स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक के दुरुपयोग को कैसे रोका जाए, इसके लिए विद्यालय परिसर में प्लास्टिक की बोतलों में थैलियों को डालकर उनको दुरुपयोग न हो सके इसके लिए आमजन को जागरुक करने के लिए जागरुकता अभियान की शुरुआत की। संस्था निदेशक डॉ प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में प्लास्टिक का उपयोग आम हो गया है। क्योंकि जिस तरह हम अपने घरेलु कार्यो से लेकर अपने आम जीवन में प्लास्टिक का उपयोग कर रहे है उससे हमें काफी दिक्कतो का सामना करना पड रहा है। हम अपने उपयोग के बाद प्लास्टिक को कचरे के रुप में रास्ते डाल देते है जिन्हे जानवर खा जाते है। जिनसे उनकी मौत हो जाती है। प्लास्टिक के उपयोग से भूमि की ऊर्वरा शक्ति कम होती है। इन सब के दुरुपयोग को रोकने के लिए भारत सरकार की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहा।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत कल बीकानेर आएंगे

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत मंगलवार प्रातः 7 बजे जोधपुर से रवाना होकर प्रातः 10 बजे बीकानेर पहुंचेंगे। कुमावत राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में भाग लेंगे। वे सायं 4.30 बजे बीछवाल स्थित डेयरी महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण एवं पशुधन अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण करेंगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाऊस में करेंगे। कुमावत बुधवार प्रातः 9.30 बजे केसरदेसर जाटान के लिए रवाना होंगे। जहां प्रातः 10 बजे माहेश्वरी सेवा परिषद् की प्रथम स्वीकृत पुनर्निमित नंदीशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। कुमावत दोपहर 2 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

5-बहनों के इकलौते भाई की खदान में डूबने से मौत

जयपुर टाइम्स

भीलवाड़ा (निस)।भीलवाड़ा में ग्रेनाइट खदान में डूबने से 5 बहनों के इकलौते भाई की मौत हो गई। वह बकरी चराने गया था। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने जब खदान की चट्टान पर किशोर की चप्पल और बकरियों को देखा तो तलाश शुरू की। करीब 3 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद किशोर की बॉडी पानी से निकाली गई। मामला करेड़ा थाना क्षेत्र के तिखी का बाडिया गांव का है। नारेली सरपंच लादू लाल गुर्जर ने बताया- नारेली ग्राम पंचायत के तीखी का बाडिया गांव के समीप चारभुजा ग्रेनाइट है। यह खदान लंबे समय से पानी भरने के चलते बंद पड़ी है। सरपंच के अनुसार, तीखी का बाडिया निवासी कुलदीप सिंह(16) पुत्र अमर सिंह रावत दसवीं में पढ़ता था। वह 5 बहनों का इकलौता भाई था। रविवार को स्कूल की छुट्टी होने से वह खदान पर बकरियां चराने पहुंचा था। संभवत करीब एक से डेढ़ बजे के आसपास उसका पैर फिसल गया और पानी में डूब गया, जिसके कारण उसकी चप्पल चट्टान पर ही रह गई। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने जब वहां सिर्फ बकरियां देखी तो उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद किशोर की तलाश शुरू की गई। करेड़ा थाना के एएसआई रेवत सिंह ने बताया कि सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। तीन मोटर से खदान का पानी खाली किया गया। साथ ही ग्रामीणों की मदद से उसकी बॉडी की तलाश की गई। किशोर की तलाश में बड़ी संख्या में ग्रामीण खदान पर पहुंचे। किशोर की तलाश में बड़ी संख्या में ग्रामीण खदान पर पहुंचे।

राधा कृष्ण की मूर्तियों को कराया नगर भ्रमण, शोभायात्रा में उमड़ा हुजूम

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नई सड़क स्थित राधा कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत हुए। इस अवसर पर राधा कृष्ण की मूर्तियों को भव्य शोभायात्रा के साथ नगर भ्रमण करवाया गया। शोभायात्रा में शिव पार्वती राधा कृष्ण की झांकियां सजाई गई और बैंड बाजो के साथ शोभा यात्रा शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए राधा कृष्ण मंदिर तक आई। धर्म प्रेमी महिलाओं ने 111 कलशो के साथ शोभा यात्रा में सहभागिता दी। शोभायात्रा में शहर के विभिन्न नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजकीय भूमिका में संजय रक्षक, विमला गढ़वाल, सीमा पवार, शंकर जालुका, अमर सिंह भाटी, राजेश रक्षक, श्यामलाल रक्षक , राजेंद्र रक्षक अमित शर्मा,अनिल पाठक, राजेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। प्राण प्रतिष्ठा में पांडित्य कार्य रवि प्रकाश शर्मा, शिवरतन शर्मा, विनोद शर्मा, सुनील शर्मा, खगेन्द्र शर्मा, सचिन शर्मा आदि विद्वान पंडितो की ओर से किया गया। कार्यक्रम में सोमवार सुबह 10 बजे को मंदिर में राधा कृष्ण मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम होगा है।

जिलेभर में आयुष्मान आरोग्य शिविर आज होंगे आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में चिकित्सा विभाग की ओर से सोमवार को आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 'आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर' (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्ष 2018 में शुरू की गई योजना की सातवीं वर्षगांठ के उपलक्ष में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को सुलभ, निःशुल्क व गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

इन गतिविधियों का होगा आयोजन

सीएमएचओ डॉ शर्मा ने बताया कि शिविर में रोगियों का पंजीकरण किया जाएगा। हाइपरटेंशन, डायबिटीज, टीबी और सिकिलसेल जैसे रोगों की स्क्रीनिंग होगी। नागरिकों के लिए 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (एबीडीएम) अंतर्गत 'आभा आईडी' बनाई जाएगी। विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। आवश्यक दवाइयां और जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। ज़रूरत होने पर टेली-कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की परामर्श सेवाएं दी जाएगी। योग सत्रों का भी आयोजन होगा। 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना(मा योजना)' में पंजीकरण किया जाएगा और आमजन और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

शिविरों की रिपोर्टिंग अनिवार्य

एनसीडी के समन्वयक प्रेमशंकर शर्मा ने बताया कि सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को निर्देशित किया गया है कि शिविरों की रिपोर्टिंग व फोटोग्राफ 'आयुष्मान भारत-आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाए।

आवासीय मकानों के ऊपर झूलते तार बने परेशानी का सबब

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। क्षेत्र के नरोदडा में रेलवे लाइन के पास स्थित बींणजारा बस्ती में बने मकानों के ऊपर से जा रहे बिजली के तारों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बाबत हादसे की आशंका से गाँव में आयोजित प्रशासन गाँवों के संग कैम्प में उपखंड अधिकारी को अवगत कराने पर 4 महीने पहले निगम की टीम यहाँ खंबे तो गाड़ गई, लेकिन बिजली के तारों को आज तक शिफ्ट नहीं किया गया है। यहां किशनलाल, महेन्द्र, कालूराम, बिदाराम, कोजाराम, निमाराम, भूराराम, पन्नाराम, बिसनाराम बंजारा सहित 11 भाई हैं जो अलग अलग मकान बनाकर रहते हैं लेकिन छत के ऊपर तार होने के कारण उनके नीचे लंबे बाँस लगाकर ऊंचा कर रखा है, जिससे हर समय हादसों की आशंका बनी रहती है। बस्ती में करीब 30 बच्चे हैं, उनकी सुरक्षा के लिए एक भाई के परिवार को घर पर ही रहना पड़ता है। यहाँ के निवासी किशनाराम बंजारा ने बताया कि बारिश और अंधड़ के समय उन्हें भयवश बाहर सोना पड़ता है।

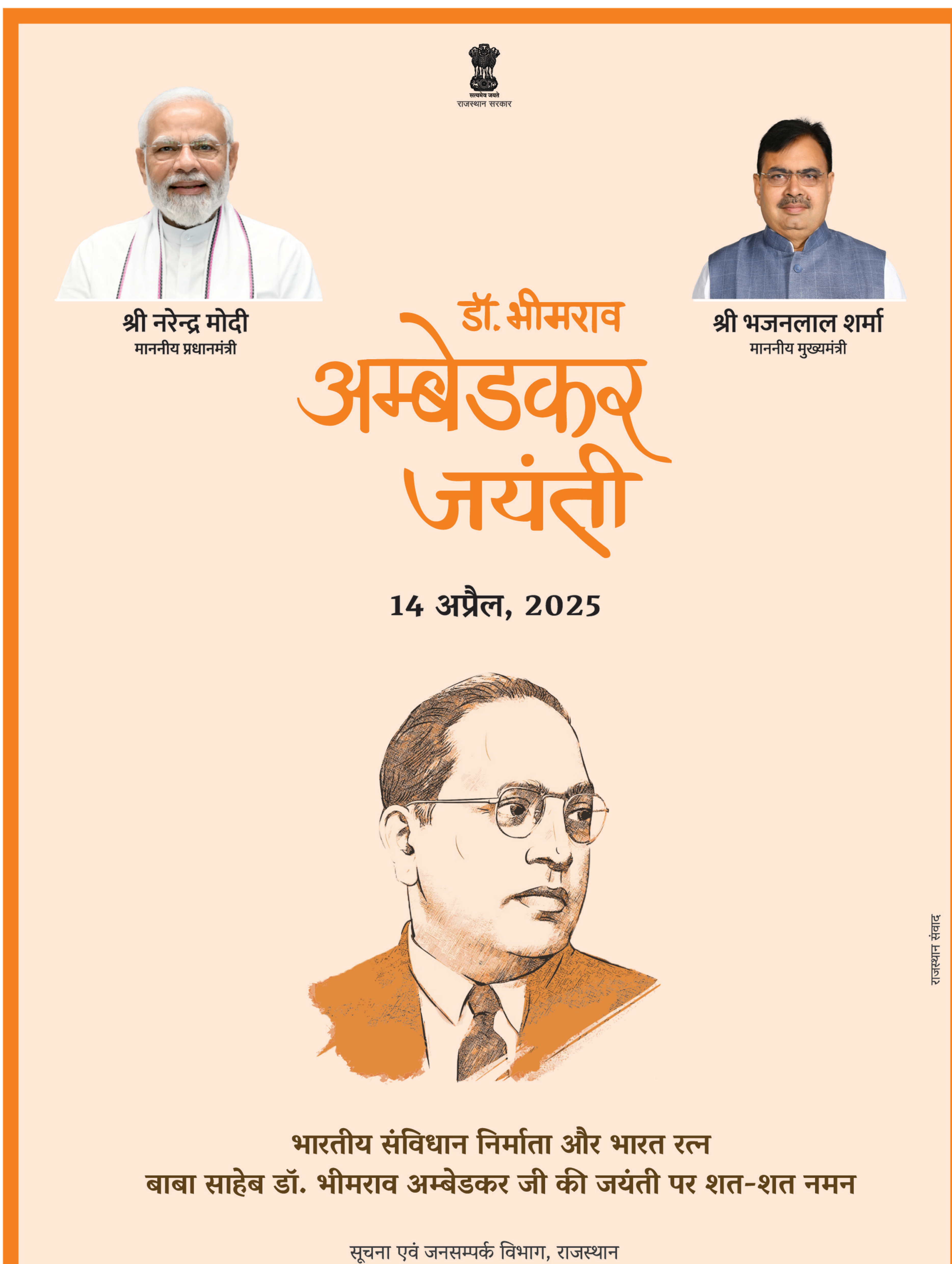

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।